US मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

जौनपुर संस्करण

मुंबई

वर्ष: 8 अंक 37

शुक्रवार, 15 अगस्त 2025

मूल्य 3 रुपया, पृष्ठ- 12

RNI NO. MAHHIN/2018-76092

email ID- uttarshakatinews@gmail.com

www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ आपके पास

आप सभी देशवासियों को 79वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई

मोहम्मद हसन पी. जी. कालेज

सुक्खीपुर, शाहगंज रोड, जौनपुर

संरक्षक डॉ. अब्दुल कादिर खाँ

प्राचार्य मोहम्मद हसन पी.जी. कॉलेज, जौनपुर

स्व. नुरुद्दीन खां गर्ल्स पी. जी. कालेज

अफलेपुर, मल्हनी बाजार, जौनपुर

जौनपुर में एकमात्र महाविद्यालय जिसमें डिजिटल बोर्ड के माध्यम से यं ग्य अध्यापकों द्वारा स्मार्ट क्लास से पठन- पाठन की व्यवस्था

विश्वविद्यालय में संचालित लगभग सभी पाठ्यक्रम

Phon.: 05452-268500 Mob.: 9415234384, 7860444535,7379960609, 9889079257

www-mhpgcollage-com infomhpg@gmail.com

आप सभी देशवासियों को 79 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई...!

अयाज अहमद

(प्रधान)

ग्राम- गिरधरपुर पोस्ट- औरही

विकास खण्ड- करंजाकलां, पोस्ट सदर जनपद-जौनपुर

आप सभी देशवासियों को 79 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई...!

सेराज अहमद

(प्रधान)

ग्राम- मनेछा पोस्ट- खेतासराय

विकास खण्ड- सोधी शाहगंज, जनपद-जौनपुर

आप सभी देशवासियों को 79 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई...!

भोले राजभर

(बीजेपी)

जिला पंचायत सदस्य वार्ड न. 10 के भावी प्रत्याशी

अहमदी हेल्थ केयर सेन्टर

आप सभी देशवासियों को 79 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई...!

डा. मोहम्मद अली

(जनरल फिजिशियन रजि.)

डा. हबीबा अली

(स्त्री रोग विशेषज्ञ)

Mob.: 9044217400

गुरैनी, मार्टिनगंज रोड (अमीनाबाद पूरब तरफ) मानी कलां, जौनपुर

स्व0 मुलायम सिंह यादव अमर रहें

आप सभी देशवासियों को 79 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई...!

उम्मे राहिला

अध्यक्ष नगर पंचायत जफराबाद

पति- डॉ. सरफराज़ खान

जिला उपाध्यक्ष- समाजवादी पार्टी, जौनपुर

आप सभी देशवासियों को 79 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई...!

मोहम्मद अरशद खान

राष्ट्रीय सचिव- समाजवादी पार्टी

राष्ट्रीय अध्यक्ष- भारत किसान यूनियन

पूर्व विधायक- जौनपुर सदर

आप सभी देशवासियों को 79 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई...!

डॉ. जी. एम्. बी. लक्ष्मी सिंह

मुख्य चिकित्सा अधिकारी जनपद- जौनपुर

आप सभी देशवासियों को 79 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई...!

राकेश सिंह

ग्राम- विकास अधिकारी

विकास खण्ड- सोधी शाहगंज, जनपद-जौनपुर

आप सभी देशवासियों को 79 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई...!

ग्रामसभा- मानीकलां से

प्रधान पद

के भावी प्रत्याशी

अब्दुल्लाह खान (डम्पी)

विकास खण्ड- सोधी शाहगंज, जनपद-जौनपुर

आप सभी देशवासियों को 79 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई...!

राकेश कुमार यादव

क्षेत्र पंचायत सदस्य

ग्राम, पोस्ट- गढ़ाबाघराय तहसील सदर

विकास खण्ड बक्सा जनपद- जौनपुर (उ0 प्र0)

आप सभी देशवासियों को 79 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई...!

वार्ड नं.- 10 से जिला पंचायत सदस्य के भावी प्रत्याशी

मोहम्मद दानिश

डॉ. वकील नज़ीर इण्टर कालेज

आप सभी जनपद वासियों को 79 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई...!

फाउंडर & मैनेजर डॉ. वकील अहमद नजीर

80094 80093

असिस्टेंट मैनेजर मो0 राफे शमीम (M.B.A)

निकट-करीमगंज, मानी कलाँ, शाहगंज, जनपद -जौनपुर (उ0प्र0)- 222139

आप सभी देशवासियों को 79 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई...!

मोहम्मद अरशद खान

(ग्राम प्रधान)

ग्राम व पोस्ट- मानी कलाँ

विकास खण्ड- सोधी शाहगंज, जनपद-जौनपुर

आप सभी देशवासियों को 79 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई...!

विनोद कुमार यादव

पी. डब्लू. डी. जेई.

सिद्दीकपुर जनपद- जौनपुर(उत्तर प्रदेश)

आप सभी देशवासियों को 79 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई...!

मनोरमा मौर्या

अध्यक्ष नगर पालिका परिषद, जौनपुर

डा. रामसूरत मौर्य

प्रतिनिधि- अध्यक्ष न.पा.प., जौनपुर

आप सभी देशवासियों को 79 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई...!

गिरीश चंद्र यादव

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण विभाग, उ0प्र0 सरकार

आप सभी देशवासियों को 79 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई...!

बाबू सिंह कुशवाहा

सांसद- लोकसभा -73, सदर, जौनपुर

संस्थापक- जन अधिकार पार्टी संस्थापक

मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
उत्तरशक्ति
हिन्दी दैनिक
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 8 अंक 37
शुक्रवार, 15 अगस्त 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

वोटर अधिकार यात्रा के जरिए वोट चोरी के खिलाफ सीधी लड़ाई छेड़ रहे: राहुल गांधी

नई दिल्ली, 14 अगस्त। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को कहा कि 17 अगस्त को वह अपनी वोटर अधिकार यात्रा के जरिये कथित वोट चोरी के खिलाफ बिहार की धरती से सीधी लड़ाई शुरू करेंगे।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि यह केवल एक चुनावी मुद्दा नहीं बल्कि लोकतंत्र, संविधान और एक व्यक्ति, एक वोट के सिद्धांत की रक्षा का निर्णायक संग्राम है।

राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, 17 अगस्त से वोटर अधिकार यात्रा के साथ हम बिहार की धरती से वोट चोरी के खिलाफ सीधी लड़ाई छेड़ रहे हैं।

यह सिर्फ एक चुनावी मुद्दा नहीं - यह लोकतंत्र, संविधान और एक व्यक्ति, एक वोट के सिद्धांत की रक्षा का निर्णायक संग्राम है।

उन्होंने कहा, हम पूरे देश में साफ-सुथरी मतदाता सूची बनवाकर ही रहेंगे। युवा, मजदूर, किसान - हर नागरिक, उठो और इस जनांदोलन से जुड़ो। राहुल गांधी ने कहा, अब की बार, वोट चोरों की हार - जनता की जीत, संविधान की जीत।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और विपक्षी गठबंधन इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) के कई अन्य घटक दलों के नेता मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) तथा कथित वोट चोरी के खिलाफ 17 अगस्त से वोटर अधिकार यात्रा शुरू करेंगे।

सासाराम से इस यात्रा की शुरूआत होगी और इसका समापन एक सितंबर को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में वोटर अधिकार रैली के साथ होगा। इस जनसभा में इंडिया गठबंधन के राष्ट्रीय स्तर के नेता शामिल हो सकते हैं।

न्यायालय ने जम्मू कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने संबंधी याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा

नई दिल्ली, 14 अगस्त। उच्चतम न्यायालय ने जम्मू कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का अनुरोध करने वाली याचिका पर बृहस्पतिवार को केंद्र से जवाब देने को कहा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलों पर भी गौर किया कि निर्णय लेने की प्रक्रिया में कई विचार शामिल हैं।

पीठ ने शिक्षाविद् जहूर अहमद भट और सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ता अहमद मलिक द्वारा दायर याचिका को आठ सप्ताह के बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। जब भट्ट की ओर से पेश वरिष्ठ वकील गोपाल

शंकरनारायणन ने शीघ्र सुनवाई का अनुरोध किया, तो सीजेआई ने कहा, पहलगाम में जो हुआ उसे आप नजरअंदाज नहीं कर सकते... निर्णय लेना संसद और कार्यपालिका का काम है।

उच्चतम न्यायालय ने 11 दिसंबर 2023 को अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण को सर्वसम्मति से बरकरार रखा था। यह अनुच्छेद पूर्ववर्ती राज्य जम्मू और कश्मीर को एक विशेष दर्जा देता था।

न्यायालय ने यह भी आदेश दिया था कि इस केंद्र शासित प्रदेश में सितंबर 2024 तक विधानसभा चुनाव होंगे और इसका राज्य का दर्जा जल्द से जल्द बहाल किया जाएगा। पिछले साल, शीर्ष अदालत में एक याचिका दायर की गई थी जिसमें दो महीने के भीतर जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए केंद्र को निर्देश देने का अनुरोध किया गया था।

विपक्ष के नेता पर किरेन रिजिजू का तंज

नई दिल्ली, 14 अगस्त। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर चुनाव आयोग पर वोट चोरी के आरोपों को लेकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता ने संविधान नहीं पढ़ा है और न ही उसका सम्मान करते हैं। मीडिया से बात करते हुए, रिजिजू ने कहा कि राहुल गांधी ने संविधान नहीं पढ़ा है और न ही उसका सम्मान करते हैं। मेरे पास राहुल गांधी को सुधारने के लिए कोई दवा नहीं है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद उन्हें होश में आना चाहिए।

रिजिजू बिहार में एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का हवाला दे रहे थे, जिसमें चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची में संशोधन को सही ठहराया गया था

और यह स्वीकार किया गया था कि आधार कार्ड नागरिकता का निर्णायक प्रमाण नहीं है। कांग्रेस में कई बुद्धिमान लोगों की मौजूदगी का ज़िक्र करते हुए, किरण रिजिजू ने उनसे राहुल गांधी को कुछ सद्बुद्धि देने का अनुरोध किया। उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि कांग्रेस में भी कुछ चतुर लोग हैं; सभी राहुल गांधी जैसे नहीं हैं। उन्हें एकजुट होकर राहुल गांधी को कुछ सद्बु-द्धि देनी चाहिए।

राहुल गांधी द्वारा साझा किए गए उस वीडियो के बारे में, जिसमें वे चुनाव आयोग द्वारा मृत घोषित किए गए लोगों से मिले थे, किरण रिजिजू ने इसे नाटक बताते हुए दोहराया कि चुनाव आयोग का काम मृत लोगों के नाम हटाना और नए मतदाताओं के नाम जोड़ना है। रिजिजू ने कहा कि चुनाव आयोग के 3-4 दिशानिर्देश हैं। हर राज्य में चुनाव आयुक्त अधिकारी होते हैं जो राज्य सरकार के अधीन होते हैं। वे चुनाव आयोग की ओर से मतदाता सूची तैयार करते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा है कि एसआईआर की प्रक्रिया आजादी के बाद से चली आ रही है और होनी भी चाहिए। यह सुनिश्चित करती है कि मृत लोगों के नाम मतदाता सूची से काटे जाएँ।

अगर भारत हर क्षेत्र में मजबूत हो जाता है, तो दुनिया उसकी बात सुनेगी: नितिन गडकरी

नई दिल्ली, 14 अगस्त। परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल उद्योग बनकर उभरा है। गडकरी ने कहा कि वर्तमान में अमेरिकी ऑटोमोबाइल उद्योग का आकार 78 लाख करोड़ रुपये का है, इसके बाद चीन का 49 लाख करोड़ रुपये और भारत का 22 लाख करोड़ रुपये का स्थान है। उन्होंने कहा कि ऑटोमोबाइल उद्योग ने अब तक चार करोड़ 50 लाख रोजगार सृजित किए हैं। इसके अलावा नितिन गडकरी ने भारत को विश्व की महाशक्ति बनाने की बात भी कही।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भारत को एक महाशक्ति और विश्वगुरु बनाने की वकालत करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि अगर भारत हर क्षेत्र में मजबूत हो जाता है तो दुनिया निश्चित रूप से उसकी बात सुनेगी। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नागपुर में राष्ट्र निर्माण समिति (सामाजिक संगठन) द्वारा आयोजित अखंड भारत संकल्प दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम में एक सभा को संबोधित कर रहे थे। गडकरी ने कहा, हम इस दिन को याद करते हैं क्योंकि इसी दिन 1947 में देश दो हिस्सों में बंट गया था - भारत और पाकिस्तान। हम सभी एक मिशन के रूप में स्वीकार करते हैं कि हमारे देश का विभाजन अस्वाभाविक था और एक दिन हमारा देश अखंड हो जाएगा, यही संकल्प हम आज इस कार्यक्रम में लेते हैं। उन्होंने भारत

की विविधता में एकता और देश के सशस्त्र बलों की सराहना की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था एवं दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के साथ-साथ आत्मनिर्भर और विश्वगुरु बनाने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि ये सभी संकल्प हर भारतीय के प्रयासों से हासिल किए जाएंगे।

उन्होंने कहा, अगर हम हर क्षेत्र में मजबूत होंगे तो निश्चित रूप से दुनिया हमारी बात सुनेगी। जो लोग अर्थव्यवस्था, रक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में मजबूत हैं और जो कृषि एवं व्यापार में प्रगति कर रहे हैं तथा जिस देश के नागरिक देशभक्त एवं सुसंस्कृत हैं, वह देश ही विश्वगुरु बन सकता है। गडकरी ने लोगों के बीच अखंड भारत का विचार लाने के लिए राष्ट्र निर्माण समिति की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, आज जब हम अखंड भारत का संकल्प ले रहे हैं, तो हमें एक ऐसी महाशक्ति बनने का भी संकल्प लेना चाहिए जो प्रगतिशील, समृद्ध और शक्तिशाली हो। गडकरी ने सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता जताई और सड़क सुरक्षा नियमों के पालन के बारे में युवाओं के बीच जागरूकता पैदा करने के महत्व पर जोर दिया।

दिल्ली सरकार की सुप्रीम कोर्ट में गुहार, आवारा कुत्ते ले रहे बच्चों की जान

नई दिल्ली, 14 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने दिल्ली-एनसीआर से आवारा कुत्तों को पूरी तरह हटाने के सुप्रीम कोर्ट के पहले के निर्देश पर रोक लगाने की मांग वाली अंतरिम याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। यह फैसला राजनेताओं, कार्यकताओं और नागरिकों द्वारा मानवीय और वैज्ञानिक समाधानों की मांग के बाद आया है, जिनकी भारी आलोचना हुई है। दिल्ली सरकार ने बृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि कुत्तों के काटने से रेबीज के कारण बच्चों की मौत हो रही है और आवारा कुत्तों के मुद्दे को सुलझाने की जरूरत है, न कि इस पर विवाद करने की। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की अध्यक्षता में न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एन. वी. अंजारिया की तीन सदस्यीय पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही है। दिल्ली सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तीन सदस्यीय पीठ को बताया कि देश में एक साल में कुत्तों के काटने के 37 लाख से अधिक मामले सामने आए हैं।

मेहता ने पीठ से कहा, कोई भी जानवरों से नफरत नहीं करता। कुत्तों की देखभाल करने वाले एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि स्थिति बहुत गंभीर है और इस मामले पर गहराई से बहस करने की जरूरत है। सिब्बल ने 11 अगस्त

को शीर्ष अदालत द्वारा पारित कुछ निदेर्शों पर रोक लगाने का अनुरोध किया, जिनमें दिल्ली-एनसीआर के अधिकारियों को सभी इलाकों से आवारा कुत्तों को जल्द से जल्द उठाना शुरू करने और उन्हें श्वान आश्रय स्थलों में स्थानांतरित करने के निर्देश शामिल हैं। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद उच्चतम न्यायालय ने सड़कों से आवारा कुत्तों को उठाने के 11 अगस्त के आदेश पर रोक लगाने संबंधी अंतरिम अर्जी पर फैसला सुरक्षित रख लिया और यह भी कहा कि हस्तक्षेप के लिए याचिका दायर करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को इसकी जिम्मेदारी लेनी होगी। उच्चतम न्यायालय की दो सदस्यीय पीठ ने 11 अगस्त को अधिकारियों को कुत्तों के लिए तुरंत आश्रय स्थल बनाने और आठ सप्ताह के भीतर इस तरह के बुनियादी ढांचे के निर्माण के बारे में रिपोर्ट देने का निर्देश दिया था। पीठ ने कहा था कि आवारा कुत्तों को आश्रय स्थलों में रखा जाए और उन्हें सड़कों, कॉलोनियों या सार्वजनिक स्थानों पर नहीं छोड़ा जाए।

ट्रक ने टेम्पो को मारी टक्कर, दो लोगों की मौत

सुलतानपुर। सुलतानपुर जिले के अखंडनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत कलान चौराहे के पास एक ट्रक ने टेम्पो को टक्कर मार दी जिसमें टेम्पो पर बैठ रहे दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। घटना की जानकारी होने पर मृतकों के परिजनों ने मौके पर पहुंचकर हंगामा किया। सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण आजमगढ़ के पवई थाने की पुलिस और अखंडनगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और हंगामा करने वालों को समझा-बुझाकर मामले को शांत कराया। अखंडनगर थाना प्रभारी दीपक कुशवाहा ने बताया कि बुधवार को शाम लगभग सात बजे के आस पास कलान चौराहे के पास एक टेम्पो पर बैठने जा रहे श्रीनाथ (49)और विशाल तिवारी (35) उर्फ पप्पू पंडित को तेज रफ्तार से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

वक्त के साथ बदलें सोशल मीडिया से अपनी पहचान बनायें

बेहतरीन व आकर्षक **सोशल मिडिया डिजाईन** हेतु आज ही संपर्क करें

रवि विश्वकर्मा

TV उत्तरशक्ति NEWS

उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक (ग्राफिक डिजाइनर) जौनपुर (उ0प्र0)

दिए गए Whatsapp नंबर पे अभी मैसेज करें- 9140619787, 7408785168

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई...!

हिमांशु पाण्डेय

उप कृषि निदेशक जनपद- जौनपुर

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई...!

मास्टर मेराज

कांट्रेक्टर मत्स्य पालन उद्योग
वरिष्ठ समाज सेवी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष
लावारिस शव इंतेजामिया कमेटी जनपद, जौनपुर
Mob.: 8931085788

उमर खां बगीचा, जौनपुर

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई...!

अकरम मंसूरी

पूर्व जनरल सेक्रेटरी
मरकजी सीरत कमेटी जौनपुर

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई...!

सैय्यद जावेद जैदी

सोशल एक्टिविटीस
फाउंडर- इमामे ज़माना वेलफेयर ट्रस्ट (जौनपुर)

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई...!

संतोष कुमार पाण्डेय

उप निबंधक कार्यालय सदर, जौनपुर

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई...!

रमेश चन्द्र श्रीवास्तव

ए. आर. टी. ओ.
प्रशासन

जनपद, जौनपुर (उत्तर प्रदेश)

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई...!

सीमा सिंह

जिला- उद्यान अधिकारी जनपद-जौनपुर

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई...!

फिरोज अहमद खान

चेयरमैन नगर पंचायत

कचगांव जनपद, जौनपुर

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई...!

राजेश यादव

(प्रधान)

ग्राम- भुड़कुड़हा पोस्ट- मानी कलाँ

विकास खण्ड- सोधी शाहगंज, जनपद-जौनपुर

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई...!

मानी डेन्टल हास्पिटल

डा0 सुफियान अहमद
डेन्टल सर्जन
बी. डी. एस., एम. आई. डी. ए.
9616356786

मिलने का समय- सुबह 10 बजे से रात 9 बजे तक प्रत्येक दिन

नियाज़ शापिंग सेन्टर गुरैनी रोड, मानीकलाँ - जौनपुर

CMO Reg. RMEE. 2341801

SHIFA HOSPITAL

अहमदी मेमोरियल शिफा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

आप सभी देशवासियों को
79वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई

डा0 मोहम्मद अकमल (फिजिशियन)

पता- मानीकलां, जौनपुर | मो0- 9451610571, 7380850571

डिलीवरी (नार्मल एवं ऑपरेशन द्वारा)

सुविधाएं- हृदय रोग विशेषज्ञ, शुगर एवं चेस्ट रोग, आर्थोपेडिक सर्जन
चर्मरोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ (इनफर्टिलिटी एवं बांझपन) डेन्टल सर्जन
जनरल सर्जन, लैप्रोस्कोपिक सर्जन, डिजिटल एक्स-रे, पैथोलॉजी, मेडिकल स्टोर

श्रीराम यादव बालिका महाविद्यालय

प्रवेश प्रारम्भ
सत्र- 2025- 2026

सम्बद्ध- वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर (उ0प्र0)

बी.ए. हिन्दी, भूगोल
प्राचीन इतिहास, शिक्षा शास्त्र
गृह विज्ञान, समाज शास्त्र, उर्दू

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई...!

प्रबंधक-
सुरेन्द्र प्रताप यादव

9956705411, 8009766617

प्रतापनगर बरंगी, मानीकलां, शाहगंज, जौनपुर (उ0प्र0) 222139

SALVATION HOSPITAL
साल्वेशन हॉस्पिटल

The Culture of Care

डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव
B.A.M.S.
(स्त्री रोग विशेषज्ञ)

पंडित दीनदयाल उपाध्याय
राज्यकर्मी कैशलेस चिकित्सा योजना
संबद्ध अस्पताल

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना
के अंतर्गत सूचीबद्ध अस्पताल
प्रदेश के लगभग 6 करोड़ लोगों के लिए 5 लाख रुपये तक के इलाज पूरी तरह से निःशुल्क

आप सभी देशवासियों को
79वां स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई

डॉ. विवेक श्रीवास्तव
M.D. (Physician, F.G.O.
(APOLO HOSPITAL) P.G.D.S.
Member of Indian Medical
Association UPMCI Rg. No. 95653

नोट- प्रत्येक महीने के दूसरे रविवार को प्रयागराज के गुर्दा रोग विशेषज्ञ डा0 सन्तोष मौर्य (M.D., D.M. Nephro) 12 बजे से 4 बजे तक उपलब्ध रहते हैं।

कंधरपुर, मुरादगंज, जौनपुर (वाराणसी-लखनऊ न्यू हाइवे के बगल में बाईपास से 400 मीटर की दूरी पर 9138828282, 8686867547

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई...!

मो. अशहद

अब्दुल माजिद

BAJAJ
ए. एम. बजाज

9621032024, 9651316060, 9621139686
मानी कलां, गुरैनी रोड, जौनपुर- 222139

Ismail Dental Hospital

इस्माईल डेन्टल हास्पिटल

दांत का अस्पताल

आप सभी देशवासियों को **79वाँ स्वतंत्रता दिवस** की हार्दिक बधाई

निःशुल्क परामर्श
निःशुल्क एक्स-रे
नकली दांत पर 20% की छूट
दांत की सफाई पर 50% की छूट

डा. शाहनवाज़ इस्माईल
Dental Surgeon
Cert. Orthodontist Cert. Endodontist
Regd. 12973

डॉ. शहला मुसर्रत
Dental Surgeon
B.Sc. Biotech, B.D.S. (Lko)
Regd. 12972

Call: 9044644776, 9580978774

क्लीनिक-1 सिपाह नीचे वाली रोड पर, जौनपुर
क्लीनिक-2 शाप नं0 11, इस्माईल काम्पलैक्स, शेखवाड़ा, जफराबाद, जौनपुर

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई...!

विनोद कुमार बिन्द
(पूर्व प्रधान)

ग्राम-झांसेपुर, पोस्ट-मानी कलां

विकास खण्ड- सोधी शाहगंज, जनपद-जौनपुर

MODERN CONVENT SCHOOL

ADMISSION OPEN 2025- 26 NEW SESSION

ENGLISH MEDIUM NURSERY TO12TH

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई...!

Manager
Dr. Abid Khan

ADMISSION OPEN

7518714123, 8960117268
9451771563, 7007016231

E-mail: modernconventschool007@gmail.com | www.mcsshools.com

पता- हबीब हॉस्पिटल के पास, खेतासराय, जौनपुर

बाल स्वास्थ्य केन्द्र

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई...!

डॉ. कमरुद्दीन अंसारी

निकट- रहमत नगर पश्चिम तरफ, मानी कलां, जौनपुर

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई...!

रजत कुमार पाण्डेय

औषधि निरीक्षक जनपद- जौनपुर

टी.डी. कॉलेज जौनपुर में समर्थ पोर्टल पर कार्यशाला का आयोजन

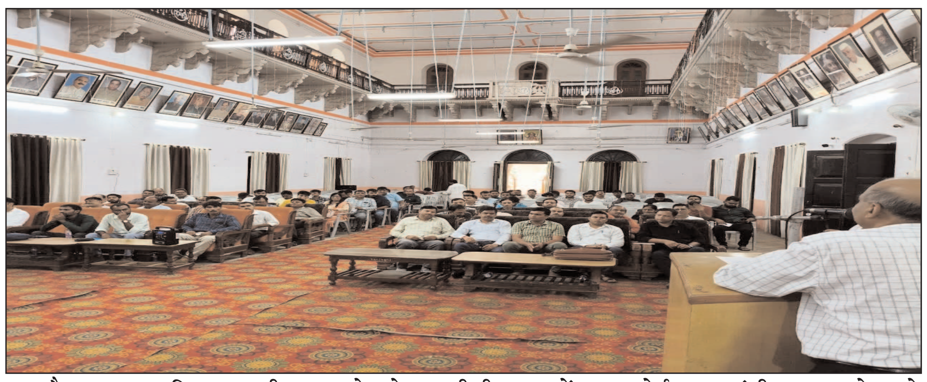

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा टी.डी. कॉलेज, जौनपुर में आज समर्थ पोर्टल पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के डॉ. मिथिलेश कुमार ने समर्थ पोर्टल की प्रक्रिया, महत्व तथा उसके सुचारु उपयोग के तकनीकी पहलुओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि यह पोर्टल उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रशासनिक एवं शैक्षणिक कार्यों को पारदर्शी और दक्ष बनाने का सशक्त माध्यम है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राम आसरे सिंह ने बताया कि समर्थ पोर्टल पर पंजीकरण करने वाले सभी छात्र अपना ईमेल और पासवर्ड संभाल कर रखें, यह भविष्य में काम आएगा। इसके अभाव में परीक्षा फॉर्म नहीं भर पाएंगे। इस अवसर पर उप कुलसचिव अजीत प्रताप सिंह,नीरज कुमार सिंह प्रोग्राम ऑफिसर पूर्वांचल विश्वविद्यालय महाविद्यालय के प्रो. एस.के. वर्मा, प्रो. जी.डी. दुबे, प्रो. रमेश सिंह तथा प्रो. मनोज कुमार सिंह ने अपने विचार रखते हुए समर्थ पोर्टल को डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण पहल बताया।कार्यक्रम में जौनपुर जनपद के सभी महाविद्यालयों के प्राचार्य/प्राचार्य प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया।कार्यक्रम का संचालन डॉ. राहुल सिंह ने किया। कार्यशाला में महाविद्यालय के शिक्षकगण, डॉ.विजय सिंह, डॉ.शैलेन्द्र सिंह, प्रो सुदेश सिंह, डॉ.पंकज कु. गौतम, डॉ.महेंद्र त्रिपाठी, डॉ.अजय बिंद, डॉ.विशाल सिंह, डॉ.शुभम सिंह, कर्मचारी में डॉ.अजय कु. सिंह, विजय कु. मौर्य, संदीप सिंह सुजीत विक्रम सिंह, विक्रम सिंह एवं चंद्र प्रकाश गिरी व छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मेडिकल कालेज जौनपुर में MCCD मृत्यु के कारणों की सर्टिफिकेशन के कार्यक्रम का आयोजन सफलता पूर्वक सम्पन्न

करंजाकला, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर की प्रधानाचार्य प्रो० डा० रूचिरा सेठी के संरक्षण में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, प्रो0 डा० ए०ए० जाफरी, आयोजक अध्यक्ष, डा० आदर्श कुमार यादव, आयोजक सचिव एवं डा० विनोद कुमार, आयोजक सह सचिव द्वारा MCCD (Medical certification of cause of death) डॉक्टरो के लिए एक दिवसीय कार्यशाला/प्रशिक्षण, सहजागरूकता कार्यक्रम दिनांक 13 जुलाई, 2025 को मेडिकल कॉलेज के एकेडमिक भवन में आयोजित किया गया। जिसमें अतिथि वक्ताओ के रूप में एम०एस० टाटा मेमोरियल सेंटर वाराणसी से डा० आकाश आनन्द, एम०ओ० टी०एम०सी० वाराणसी से डा० रूचि पाठक, रिसर्च एसो० टी०एम०सी० वाराणसी से कुमारी सुदेशना द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्रधानाचार्य एवं वक्ता अतिथि तथा अन्य चिकित्सो के द्वारा दीप प्रज्वलित कर CME का शुभारम्भ किया गया। वक्ता चिकित्सको द्वारा व्याख्यान में बताया गया कि MCCD एक अत्यंत महत्वपूर्ण कानूनी और चिकित्सकीय दस्तावेज है, जिसे किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद प्रमाणित चिकित्सा अधिकारी द्वारा भरा जाता है। इसमें मृत्यु के वास्तविक कारण (Cause of Death) को स्पष्ट और वैज्ञानिक तरीके से दर्ज करना आवश्यक होता है। 1. कानूनी महत्व यह दस्तावेज सरकारी रिकार्ड, मृत्यु पंजीकरण, और उत्तराधिकार संबंधी मामलों में अनिवार्य होता है। 2. सांख्यिकीय महत्व इससे मृत्यु के कारणों का डेटा एकत्र होता है, जो स्वास्थ्य नीतियाँ बनाने में मदद करता है। 3. सार्वजनिक स्वास्थ्य महामारी या रोग के पैटर्न का पता लगाने में मदद मिलती है। MCCD (Medical certification of cause of death) भरने की मुख्य बाते मृत्यु का तत्काल कारण (Immediate cause) जैसे हृदयाघात, स्ट्रोक मृत्यु का पूर्ववर्ती कारण (Antecedent Cause) जैसे कोरोनरी आर्टरी डिजीज, कैंसर मृत्यु की अन्य महत्वपूर्ण स्थितियाँ (Other Significant Conditions)- जैस धूम्रपान, मोटापा, कॉनिक किडनी डिजीज। प्रशिक्षण में यह बताया गया कि डाक्टर प्रमाणपत्र में अस्पष्ट शब्द जैसे Cardiac Arrest अकेले नहीं लिखने चाहिए, क्योकि यह मृत्यु का लक्षण है, कारण नहीं। इसके बजाय स्पष्ट कारण और उससे संबंधित रोग प्रक्रिया को दर्ज करना चाहिए। MCCD भरते समय WHO द्वारा निर्धारित ICD कोडिंग प्रणाली का पालन करें और तथ्यों को संक्षेप में लेकिन सटीकता से दर्ज करें। प्रधानाचार्य प्रो० डा० रूचिरा सेठी ने कहा कि यह प्रशिक्षण न केवल एक तकनीकी प्रक्रिया का ज्ञान देता है, बल्कि यह हमारे पेशेवर दायित्व ओर नैतिक जिम्मेदारी को भी सुदृढ़ करता है। उन्होंने कहा कि मेडिकल सर्टिफिकेशन ऑफ कॉज ऑफ डेथ का सही सटीक भरना, समाज के स्वास्थ्य डेटा को बजबूत बनाने और सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों के निर्धारण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उप प्रधानाचार्य प्रो० डा० आशीष यादव ने कहा कि आप सभी चिकित्सक, चिकित्सा क्षेत्र के वे सिपाही हैं, जो न केवल रोगियों के जीवन को छूते हैं बल्कि उनके जाने के बाद भी समाज के लिए उपयोगी आंकड़े छोड़ जाते हैं। आप सबका कार्य आने वाले समय में जनस्वास्थ्य सुधार की आधारशिला बनेगा। मेरा आशीर्वाद है कि आप सभी सदैव अपनी चिकित्सा सेवा में उत्कृष्टता और संवेदनशीलता बनाए रखें। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, प्रो0 डा0 ए०ए० जाफरी ने सभी चिकित्सकों और प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान को अपने दैनिक कार्यों में पूर्ण निष्ठा से लागू करें और MCCD भरते समय स्पष्टता, सटीकता और ईमानदारी का पालन करें। कार्यक्रम के आयोजक सचिव, डा० आदर्श यादव एवं सहसचिव, डा० विनोद कुमार द्वारा वक्ताओं एवं विशेष अतिथियों को मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया। यह मोमेंटो उनकी गरिमामयी उपस्थिति, बहुमूल्य योगदान और ज्ञानवर्धक विचारों के प्रति आभार स्वरूप प्रदान किया गया। व्याख्यान के अन्त में प्रश्नोत्तर सत्र हुआ जिसमें प्रशिक्षण ले रहे चिकित्सको से MCCD से संबंधित लिखित टेस्ट लिया गया। कार्यक्रम का संचालन पूजा पाठक, सहायक आचार्य, कम्युनिटी मेडिसिन द्वारा किया गया।

स्वतंत्रता दिवस पर अलफारूक पब्लिक स्कूल में उमड़ा देशभक्ति का जज्बा

सुईथाकलाँ, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कादीपुर क्षेत्र के अलफारूक पब्लिक स्कूल करपी में स्वतंत्रता दिवस समारोह के तहत छात्रों में देशभक्ति का अद्भुत उत्साह देखने को मिला। हर कक्षा के बच्चों ने तिरंगा, भारतीय मानचित्र और विविध कलाकृतियाँ तिरंगे के तीन रंगों में सजाकर अपनी कक्षाओं को आकर्षक रूप से सजाया। इस रचनात्मक गतिविधि में कक्षा अध्यापकों का सराहनीय योगदान रहा, जिनके मार्गदर्शन से विद्यार्थियों के भीतर राष्ट्रीय ध्वज के प्रति प्रेम और गर्व की भावना और भी प्रबल हुई। विद्यालय परिसर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया, और बच्चों की आँखों में राष्ट्र के प्रति गर्व की चमक साफ दिखाई दी। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने इस अवसर पर कहा, ये बच्चे देश का भविष्य हैं। बचपन से ही राष्ट्रप्रेम की धारा उनके विचारों और कार्यों में प्रवाहित हो रही है। उन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी शिक्षकों के योगदान की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

रज्जू भैया संस्थान में यूजी,पीजी पाठ्यक्रमों में सीधे प्रवेश

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के सुन्दर एवं शैक्षणिक वातावरण से परिपूर्ण परिसर में स्थित रज्जू भैया संस्थान के गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान एवं भू-गर्भ विज्ञान विभागों में सत्र 2025-26 के लिए स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों में सीधे प्रवेश लेने का सुनहरा अवसर उपलब्ध है। संस्थान के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि इन विषयों में बीएससी और एम.एससी. भौतिक विज्ञान, गणित, रसायन और भू गर्भ विज्ञान विषय की कुछ सीटें अभी भी रिक्त हैं। इच्छुक अभ्यर्थी संबंधित विभागाध्यक्ष से संपर्क कर शीघ्र अपना प्रवेश सुनिश्चित कर सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि अगले सप्ताह से सभी विभागों में नियमित कक्षाएं सुचारू रूप से प्रारम्भ हो जाएंगी, जिससे विद्यार्थियों को सत्र की शुरूआत से ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षण का लाभ मिलेगा।रज्जू भैया संस्थान, अपने उच्च स्तरीय शिक्षण-प्रशिक्षण, अनुभवी शिक्षकों, आधुनिक प्रयोगशालाओं एवं शोधोन्मुख वातावरण के लिए प्रदेशभर में विशिष्ट पहचान रखता है। ऐसे में इच्छुक विद्यार्थी इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं।

जंग–ए–आजादी में उलेमा का अमर योगदान

डॉ.इम्तियाज अहमद सिद्दीकी उर्फ.बाबू भाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत की आजादी की लड़ाई में जहां राजनीतिक नेताओं ने अपनी भूमिका निभाई, वहीं उलेमा-ए-हिंद ने भी अपने खून और पसीने से इस धरती को आजाद कराने का इतिहास रचा। उन्होंने सिर्फ.भाषणों और लिखावट से नहीं, बल्कि मैदान-ए-जंग में उतरकर, फांसी के फंदे और जेल की यातनाएं झेलकर, देश के लिए अपना सब कुछ कुर्बान कर दिया।

1. मौलाना महमूद हसन देओबंदी (शेखुल हिंद)
भूमिकाः रेशमी रमाल आंदोलन के जनक, तुर्की और अफगानिस्तान से मदद लाने की कोशिश। सजाः 1917-1920 तक माल्टा जेल में कैद।

2. मौलाना अबुल कलाम आजाद
भूमिकाः कांग्रेस अध्यक्ष, असहयोग आंदोलन के प्रमुख रणनीतिकार, हिंदू-मुस्लिम एकता के पक्षधर। सजाः कुल लगभग 9 साल जेल में।

3. मौलाना हुसैन अहमद मदनी
भूमिकाः खिलाफत आंदोलन और जमीयत उलेमा-ए-हिंद के नेता, हिंदू-मुस्लिम एकता के प्रवक्ता। सजाः 1917-1920 माल्टा जेल।

4. मौलाना उबैदुल्लाह सिंधी
भूमिकाः अफगानिस्तान जाकर आजाद हिंद फौज जैसी क्रांतिकारी योजना बनाई। सजाः 20 साल निर्वासन, ब्रिटिश के ह्यवांटेडह्व।

5. मौलाना अहमदुल्लाह शाह फैजाबादी
भूमिकाः 1857 की क्रांति के प्रमुख सेनापति, लखनऊ और फैजाबाद में अंग्रेजों को भारी नुकसान। अंतः युद्ध में शहीद।

6. मौलाना बरकतुल्लाह भोपाली
भूमिकाः गदर पार्टी के संस्थापक, विदेश से क्रांति की योजना।
अंतः निर्वासन में मृत्यु।

7. मौलाना फैजुल हसन सहारनपुरी
भूमिकाः 1857 की जंग में सक्रिय, कई छापामार कार्रवाइयाँ।
सजाः कालापानी।

8. मौलाना अब्दुल बारी फरंगी महली
भूमिकाः खिलाफत और असहयोग आंदोलन के नेता, राष्ट्रीय एकता के पैरोकार। अंतः 1926 में निधन।

9. मौलाना अताउर्रहमान लुधियानवी
भूमिकाः खिलाफत और असहयोग आंदोलन में जनजागरण।
सजाः कई बार जेल।

10. मौलाना हबीबुर्रहमान लुधियानवी
भूमिकाः जमीयत उलेमा-ए-हिंद के नेता, अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष। सजाः 8 साल जेल।

11. मौलाना मुजीबुल्लाह अंसारी
भूमिकाः भूमिगत क्रांतिकारी, ब्रिटिश रिकॉर्ड में खतरनाक मौलवी।
अंतः गिरफ्तारी के बाद मृत्यु।

12. मौलाना जफर अली खान
भूमिकाः पत्रकारिता के जरिए अंग्रेजी हुकूमत का विरोध।
सजाः कई बार जेल।

13. मौलाना अब्दुल कादिर बदायूँनी
भूमिकाः 1857 में तोपखाने का नेतृत्व। अंतः युद्ध में शहीद।

14. मौलाना मियां नजीर हुसैन देहलवी
भूमिकाः 1857 में दिल्ली की रक्षा में योगदान।
अंतः ब्रिटिश प्रताड़ना।

15. मौलाना अजमल खाँ,भूमिकाः खिलाफत आंदोलन के अध्यक्ष, गांधी जी के साथी। सजाः संपत्ति जब्त, कई बार जेल।

16. मौलाना सय्यद फजलुल्लाह, भूमिकाः बंगाल में ब्रिटिश विरोधी विद्रोह। अंतः फांसी।

इतिहास की गवाही-ब्रिटिश शासन ने माना कि 1857 से लेकर 1947 तक, हजारों उलेमा को या तो फांसी दी गई, या जेल में डाला गया, या निर्वासन में भेजा गया। उन्होंने न जात-पात देखी, न मजहब, बल्कि एक आजाद हिंदुस्तान का सपना देखा।

आजमगढ़ में बदरहुआ पर चार सेमी घटी सरयू

रौनापार (आजमगढ़)। तहसील सगड़ी के देवारा बहने वाली सरयू नदी की रफ्तार रविवार को धीमी हो गई। सुबह आठ से शाम चार बजे तक मुख्य माप स्थल बदरहुआ नाला पर चार सेंटीमीटर और डिघिया नाला पर दो सेंटीमीटर की कमी दर्ज की गई। हालांकि अभी भी जलस्तर बदरहुआ नाला पर खतरा बिंदु से 48 सेंटीमीटर ऊपर और डिघिया नाला पर खतरा बिंदु से 97 सेंटीमीटर ऊपर नदी बह रही है।

आजमगढ़ में शराब पीने को लेकर विवाद में ईंट पत्थरों से हमला कर युवक को मार डाला

आजमगढ़। गंभीरपुर थाना क्षेत्र के सुरजनपुर गांव में देसी ठेके के पास शराब पीने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद ने एक युवक की जान ले ली। इस घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है।

सुरजनपुर निवासी संग्राम कुमार (32) गांव के ठेके पर शराब पीने गए थे। वहीं पर उनका विवाद गांव के मेवालाल के साथ शुरू हुआ। यह विवाद इतना बढ़ गया कि स्थिति हिंसक हो गई। मेवालाल के समर्थकों ने संग्राम पर ईंट-पत्थर से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

स्थानीय लोगों ने संग्राम को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मोहम्मदपुर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। संग्राम अपने परिवार का भरण-पोषण मजदूरी करके करते थे। इस घटना ने गांव में शोक की लहर दौड़ा दी है।

घटना की सूचना मिलते ही सीओ सदर, थाना प्रभारी और अन्य पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने मेवालाल को गिरफ्तार कर लिया है और अन्य आरोपितों को लेकर भी पुलिस जांच कर रही है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि शराब पीने के बाद अक्सर विवाद होते हैं, लेकिन इस बार की घटना ने सभी को चौंका दिया। संग्राम की हत्या ने गांव में सुरक्षा को लेकर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का मानना है कि इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए ठेके के पास पुलिस की गश्त बढ़ाई जानी चाहिए। पुलिस ने कहा है कि वे इस मामले में सख्त कार्रवाई करेंगे और दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। संग्राम की हत्या ने यह स्पष्ट कर दिया है कि शराब के सेवन से होने वाले विवादों को गंभीरता से लेना आवश्यक है।

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई...!
एस.आर.एस.
हॉस्पिटल एण्ड ट्रामा सेन्टर
डा. अभय प्रताप सिंह
MBBS (KGMU), DNB(Ortho), MS (Ortho)
UCN, FIJR (Germany), MNAMS
आर्थ्रोस्कोपिक एण्ड ज्वाइंट रिप्लेसमेन्ट आर्थोपेडिक सर्जन
हड्डी रोग विशेषज्ञ
ओ.पी.डी. प्रतिदिन
डा. आनन्द त्रिपाठी
MBBS, MD, DM (Neuro)
न्यूरो फिजिशियन
ओ.पी.डी. प्रतिदिन
डा. निदा सलाम
CGO
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
ओ.पी.डी. प्रतिदिन
डा. अरविन्द कुमार अग्रहरि
MBBS, MS, MCH (Neuro)
न्यूरो सर्जन
विजिटिंग/ऑन काल
डा. एस.के. मिश्र
MBBS, MS (General Surgeon)
जनरल सर्जरी
विजिटिंग/ऑन काल
डा. चंचला मिश्रा
MBBS, MS (Obs & Gyn.)
स्त्री रोग विशेषज्ञ
विजिटिंग/ऑन काल
डा. राजेश त्रिपाठी
MBBS, MD (Anesthisia)
एनेस्थिसिया रोग विशेषज्ञ
विजिटिंग/ऑन काल
7355 358194
05452- 356555
तेज डायग्नोस्टिक सेन्टर के सामने
(पेट्रोल पम्प के बगल में), नईगंज तिराहा, जौनपुर

23 जिलों में आज भारी बारिश की चेतावनी

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। मौसम विभाग का कहना है कि बृहस्पतिवार से मानसूनी बारिश पश्चिमी यूपी का रुख करेगी। पश्चिमी यूपी के सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर और बिजनौर में बृहस्पतिवार के लिए भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 19 अन्य जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है। साथ ही 36 जिलों में गरज-चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी है।

बुधवार को तराई के महाराजगंज, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर व आसपास के इलाकों में कहीं मध्यम तो कहीं भारी बारिश हुई। सिद्धार्थ नगर में सर्वाधिक 77 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र अमौसी के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि बुधवार पूर्वी यूपी और तराई में बारिश के बाद पश्चिमी यूपी में 14 व 15 अगस्त को अच्छी बारिश के संकेत हैं। लखीमपुर खीरी, हरदोई, फरुखाबाद, कन्नौज, कासगंज, मैनपुरी, इटावा, औरैया, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं, जालौन, झांसी, ललितपुर व आसपास के इलाकों में।

फरुर्खाबाद हेड कांस्टेबल से मारपीट करने में पूर्व विधायक को 18 माह की जेल

फरूर्खाबाद (उत्तरशक्ति)। 24 साल पूर्व हेड कांस्टेबल के साथ मारपीट करने मामले में पूर्व विधायक उर्मिला राजपूत को दोषी करार देते हुए एमपी-एमएलए कोर्ट ने एक साल छह माह (18 माह) की कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने साथ ही 10 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। यह मामला तीन दिसंबर 2001 का है, जब शहर के त्रिपौलिया चौक पर तैनात हेड कांस्टेबल बृजेश कुमार ने उर्मिला राजपूत और उनके साथियों को सड़क पर गाड़ी तिरछी खड़ी करने से मना किया था। इस पर पूर्व विधायक उर्मिला ने गाली-गलौज और थप्पड़ों और घूंसों मारपीट की थी। सरकारी काम में बाधा डालने और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी से मारपीट के आरोप में मामला दर्ज हुआ था।

मामले की विवेचना पूरी कर पुलिस ने न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया। मामले की सुनवाई के दौरान सरकारी पक्ष की ओर से एपीओ जितेंद्र सिंह ने दलीलें पेश कीं। न्यायाधीश ज्ञानेन्द्र कुमार ने गवाहों और सबूतों के आधार पर उर्मिला राजपूत को दोषी ठहराया और एक साल छह महीने की सजा सुनाई। सजा के बाद पूर्व विधायक की ओर से जमानत अर्जी दाखिल की गई, जिस पर अदालत ने 20-20 हजार रुपये के दो निजी बंधपत्र और उतनी ही राशि के प्रतिभूति पत्र दाखिल करने पर जमानत मंजूर कर ली।

उर्मिला राजपूत वर्ष 1991 और 1993 में भाजपा से कमालगंज विधानसभा सीट से विधायक चुनी गई थीं। बाद में उन्होंने पार्टी छोड़कर सपा की सदस्यता ली और उसी सीट से चुनाव लड़ा, लेकिन हार गईं। उनका नाम कई विवादों में आ चुका है। उन्हें भूमाफिया घोषित किया गया, उन पर वक्फ की करोड़ों की जमीन पर अवैध कब्जे और फर्जी वसीयत के आरोप लगे।

गंगा में डूबे युवक का शव दूसरे दिन मिला

मेरठ (उत्तरशक्ति)। मेरठ के हस्तिनापुर में बाढ़ के पानी में नहाने गए युवक का शव दूसरे दिन बरामद हुआ। घटना भीमकुंड गांव के समीप चांदपुर मार्ग पर हुई, जहां बाढ़ के कारण संपर्क मार्ग टूट गया था। मनोहरपुर कॉलोनी निवासी 35 वर्षीय जितेंद्र पुत्र राजपाल रविवार को अपने चार साथियों के साथ वहां नहाने गया था। नहाते समय वह गहरे पानी में चला गया और बाहर नहीं निकल सका।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। एडीएम वित्त एवं राजस्व सूर्यकांत त्रिपाठी के निर्देश पर पीएससी की फ्लड कंपनी ने सर्च अभियान शुरू किया, लेकिन शाम तक सफलता नहीं मिली। सोमवार सुबह करीब 8 बजे स्थानीय ग्रामीणों ने दोबारा खोजबीन शुरू की और घटना स्थल से करीब 100 मीटर दूर बाढ़ के पानी में उसका शव तैरता हुआ मिला। सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ग्रामीणों के अनुसार, मृतक जितेंद्र मूल रूप से भीमकुंड गांव का रहने वाला था, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से हस्तिनापुर की मनोहरपुर कॉलोनी में रह रहा था।

सराफ की दुकान से 80 लाख की चोरी

मेरठ (उत्तरशक्ति)। थाना कोतवाली अंतर्गत रबड़ी वाली गली, बालाजी मार्केट, कागजी बाजार सराफा में सतीश मराठा की गोल्ड रिफाइनरी नाम से दुकान हे। शनिवार रात करीब दस बजे दुकान के ताले तोड़कर चोर तिजोरी से 750 ग्राम शुद्ध सोना और 6 किलो शुद्ध चांदी चोरी कर ले गए। चोरी समान का मूल्य करीब 80 लाख रुपए है। पुलिस, फॉरेंसिक विभाग और डॉग स्क्वायड ने मौके पर आकर जांच की। सराफ सतीश मराठा रक्षाबंधन पर शनिवार दोपहर को ही दुकान बंद कर घर चले गए थे। तिजोरी की चाबी सामान्यतः वह दुकान के अंदर डेस्क में लॉक कर जाते हैं। चोरी करने वाले व्यक्ति ने उनकी दुकान के ताले तोड़कर डेस्क से चाबी निकाल ली। तिजोरी खोली और आराम से 80 लाख रुपए मूल्य का सोना व चांदी लेकर फरार हो गया। पुलिस ने बाजार में लगे कैमरों से फुटेज इकट्ठा की है। चोर इतने शातिर थे, कि दुकान के टूटे हुए तालों की जगह नए ताले लगा गए, जिससे वहां से गुजरने वालों को चोरी का अंदाजा न हो। मेरठ बुलियन ट्रेडर्स एसोसिएशन के महामंत्री विजय आनन्द अग्रवाल, कागजी बाजार व्यापार मंडल के महामंत्री मनोज गर्ग, कोषाध्यक्ष विकास रस्तोगी, सतीश मराठा, विजय मराठा, पिंटू वर्मा, यश रस्तोगी ने आदि ने पुलिस से चोरी का खुलासा करने की मांग की है।

गोरखपुर जिले से 133 यात्री जाएंगे हज यात्रा पर

गोरखपुर। मुकद्दस हज के सफर पर जाने के लिए बुधवार को यात्रियों का चयन किया गया। इस बार गोरखपुर जिले से करीब 133 लोग हज यात्रा पर जाएंगे। प्रदेश से करीब 18,760 लोगों का चयन किया गया है। आवेदकों में काफी खुशी है। जल्द ही शहर में चयनित हज यात्रियों को प्रशिक्षित करने का सिलसिला भी शुरू होगा। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कमलेश कुमार मौर्य ने बताया कि हज कमेटी ऑफ इंडिया की सूचना के अनुसार सभी चयनित हज यात्रियों को हज खर्च की पहली किस्त एक लाख 52 हजार तीन सौ रुपये 20 अगस्त तक जमा करनी है। किस्त हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट व हज सुविधा एप से ऑनलाइन जमा की जा सकती है। हज यात्री पहली किस्त हज कमेटी ऑफ इंडिया के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाते में ऑफलाइन भी जमा कर सकते हैं।

कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी जौनपुर

जनपद वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाए

जिला उद्यान अधिकारी डॉ सीमा सिंह राणा द्वारा बताया गया कि एकीकृत बागवानी विकास मेशन योजनान्तर्गत जनपद को विभिन्न कृषि गतिविधियों के लिए लक्ष्य आवंटित किया गया है, जिसका उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि करना और बागवानी क्षेत्र को बढ़ावा देना है, इस योजना के तहत जनपद में मखाना 02 हे0, सिघाडा 04 हे0 ग्लेडियोलस (फूल) 05 हे0, प्याज 50 हे0 मचान- विधि से सब्जी की खेती 04 हे0, केला 50 हे0, ड्रेगनफ्रूट 08 हे0, बेल 03 हे0, सब्जी के खेती 17 हे इसके अतिरिक्त कृषि में आधुनिकीकरण को बढ़ावा देने के लिए 25 हे0 म मल्चिंग, 4000 रनिंग मीटर में तारबाड़ और पाली हाउस एवं ग्रीन हाउस निर्माण के लिए उद्यान विभाग दवा 50 प्रतिशत का अनुदान।

पर ड्राप मोर काप योजनान्तर्गत 2065 हे0 तथा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यान योजना के तहत 561 का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इसके अतिरिक्त हाईटेक नर्सरी कृषि विज्ञान केंद्र बक्शा में वेजीटेबल सीडलिंग तैयार कराने हेतु कृषक बुकिंग कर सकते है। प्रथम आवक प्रथम पावक के आधार पर चयन किया जायेगा।

जिला उद्यान अधिकारी
जौनपुर

पत्रांकः638 / प्रेस विज्ञप्ति / 2025-26/ दिनांक 15 अगस्त, 2025

मुंबई के रियल एस्टेट ब्रोकरों को पुरानी अव्यवस्थित व्यवस्था से आजादी दिलाएगा विल वाल ग्लोबल

मुंबई। जैसे देश 15 अगस्त को आजादी का जश्न मनाने की तैयारी कर रहा है, वैसे ही विल वाल ग्लोबल मुंबई के रियल एस्टेट ब्रोकरों के लिए एक नई आजादी लेकर आ रहा है। ऐसी आजादी जो उन्हें शहर के असंगठित, अपारदर्शी और समय बर्बाद करने वाले पुराने तौर-तरीकों से मुक्त करेगी।

मुंबई का रियल एस्टेट क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ है। यहां 80% से अधिक सौदे छोटे और स्वतंत्र ब्रोकर करते हैं। 50,000 से ज्यादा पंजीकृत एजेंट हैं, लेकिन इनमें से केवल 15% ही संगठित कंपनियों के तहत काम करते हैं। नतीजतन, इस क्षेत्र में सेवा का स्तर असमान रहता है, कई काम अपारदर्शी ढंग से होते हैं और कानूनी पालन में कमी से हर साल संभावित सौदों की 20% तक कीमत घट जाती है। रेरा कानून ने नियम-कायदों में अनुशासन और पंजीकरण को बढ़ाया है, लेकिन इससे स्वतंत्र ब्रोकरों के लिए पालन करना और कठिन हो गया है।

विल वाल ग्लोबल के संस्थापक हर्ष लिलारामाणी कहते हैं-जिस तरह भारत की आजादी ने देशवासियों को मजबूती से आगे बढ़ने की ताकत दी, उसी तरह हम भी ब्रोकरों को स्मार्ट, तेज और लाभकारी ढंग से काम करने की आजादी देना चाहते हैं। हम पुरानी अव्यवस्थित व्यवस्था की जगह ऐसा प्लेटफॉर्म दे रहे हैं जो ब्रोकरों को कागजी झंझट से मुक्त कर असली काम–डील फाइनल करना और बेहतरीन सेवा देना–पर ध्यान केंद्रित करने का मौका देगा।

कंपनी के डायरेक्टर करण गुप्ता कहते हैं–रेरा के सख्त मानकों के बीच कई ब्रोकर अकेले संघर्ष कर रहे हैं। विल वाल ग्लोबल उन्हें वह मजबूत सहारा दे रहा है–कानूनी सहयोग, स्मार्ट लीड मैनेजमेंट और मार्केटिंग ताकत–जिससे वे न सिर्फ टिक सकें बल्कि मुंबई के तेज-तर्रार रियल एस्टेट बाजार में आगे निकल सकें। क्या करेगा विल वाल

ग्लोबल? कंपनी तकनीक और कानूनी अनुशासन से लैस एक ऐसा साझा प्लेटफॉर्म बना रही है, जिसमें– केंद्रीकृत और स्मार्ट लीड जनरेशन सटीक लीड फि ल्टरिंग और वितरण प्रणाली साझा मार्केटिंग, कानूनी और नियामकीय सहायतासब एक साथ मिलेंगे। इससे ब्रोकर कम समय में ज्यादा और बेहतर सौदे कर पाएंगे। अनुभवी एजेंटों के लिए यह प्लेटफॉर्म सौदों की संख्या 50% तक बढ़ा सकता है। डेवलपर्स, वित्तीय संस्थानों और डिजिटल मार्केटिंग से साझेदारी के जरिए कंपनी ब्रोकरों की साख मजबूत कर रही है। आज ज्यादातर खरीदार भरोसेमंद और पहचाने हुए ब्रोकरों के साथ काम करना पसंद करते हैं– ऐसे में विल वाल ग्लोबल खुद को एक पारदर्शी, टिकाऊ और पेशेवर ब्रांड के रूप में स्थापित कर रहा है। विशेषज्ञ मानते हैं कि 2030 तक मुंबई के आवासीय सौदों में सबसे बड़े ब्रोकर ग्रुप्स का दबदबा होगा। अपने स्केलेबल मॉडल, रेवेन्यू-शेयरिंग संरचना और मजबूत संचालन व्यवस्था के साथ विल वाल ग्लोबल इस दौड़ में अग्रणी बनने की ओर बढ़ रहा है।

कुत्तों के झुंड ने महिला को नोचकर मार डाला

कुशीनगर(उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के अर्जुन डुमरी गांव में कुत्तों के झुंड ने महिला को नोचकर मार डाला। गांव के बाहर पंचायत भवन के पास मिलने शव मिलने से सनसनी फैल गई। महिला मानसिक रूप से बीमार बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, गांव के रहने वाले गोरख पटेल की 30 वर्षीय बेटी माधुरी पटेल की शादी करीब डेढ़ वर्ष पहले महाराजगंज जिले के घुघली क्षेत्र के पिपरहिया गांव में हुई थी। शादी के कुछ दिन बाद ही ससुराल वालों ने उसे छोड़ दिया। इसके बाद से वह अपने मायके अर्जुन डुमरी गांव में रहने लगी। इधर, कुछ दिनों से वह मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी।

सोमवार को परिजन उसे इलाज के लिए गोरखपुर ले गए थे। इलाज के बाद शाम को जब वह गांव पहुंची तो इधर-उधर घूमने लगी। मंगलवार को सुबह से वह दिख नहीं रही थी। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। इसी दौरान किसी ने गांव के बाहर पंचायत भवन के पास खेत में उसकी खून से लथपथ लाश पड़ी देखी।

शोर मचाने पर गांववाले जुट गए। वहां लोगों ने कुछ कुत्तों को घूमते देखा। लोगों ने बताया कि कुत्तों के हमले से ही माधुरी के शरीर पर गहरे जख्म हुए हैं। लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस संबंध में कोतवाल रामसहाय चौहान ने भी बताया कि शव को देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा है कि कुत्तों के झुंड ने उसे काफी देर तक नोचा होगा। इससे उसके शरीर पर कई जगह गंभीर निशान हैं। जिले में कुत्तों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। कोतवाली क्षेत्र के अर्जुन डुमरी गांव में मंगलवार को एक अर्धविक्षिप्त महिला को कुत्तों के झुंड ने नोंचकर मार डाला। हाल ही में कसया में कुत्तों का झुंड एक मासूम को दरवाजे से खींचकर लहूलुहान कर दिया था। लगातार हो रही इन घटनाओं ने ग्रामीणों में दहशत फैला दी है।

अर्जुन डुमरी गांव निवासी गोरख पटेल की 30 वर्षीय पुत्री माधुरी मानसिक रूप से विक्षिप्त थी और दिनभर गांव में इधर-उधर घूमती रहती थी। मंगलवार सुबह वह घर से निकली, लेकिन शाम तक नहीं लौटी। परिजन खोजबीन में जुटे ही थे कि गांव के बाहर पंचायत भवन के पास उसका क्षत-विक्षत शव दिखाई दिया।

शव के पास कई आवारा कुत्ते मंडरा रहे थे। गांव वालों का कहना है कि शव देखकर साफ लग रहा था कि कुत्तों ने हमला कर जान ली। जिले में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले कुछ महीनों में कुत्तों के हमले में कई लोग घायल हुए हैं।

कसया के अमिय नगर त्रिपाठी वार्ड में गेट पर खड़े पांच वर्षीय अनिक को मासूम को कुत्ते खींच ले गए और काटकर जख्मी कर दिए। इसके अलावा मथौली नगर में करीब आठ माह पूर्व एक महिला की कुत्तों के काटने से मौत हो गई थी। इसके अलावा आठ से अधिक बुजुर्गों पर कुत्तों का झुंड मथौली कस्बे में हमला कर दिया था।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत जिले में निकाली तिरंगा यात्रा

आजमगढ़। आजादी के अमृत महोत्सव और हर घर तिरंगा अभियान के तहत बुधवार को शहर से लेकर ग्रामीणांचल में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में में बड़ी संख्या में बच्चे, पुलिस, सामाजिक संगठन और आम नागरिक शामिल थे। सभी तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारें लगाते चल रहे थे। इस दौरान लोगों से अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने का आह्वान किया। डीएवी पीजी कॉलेज के प्राचार्य के निर्देश पर महाविद्यालय के एनसीसी, एनएसएस और रोवर्स-रेंजर्स के कैडेट्स के साथ छात्र-छात्राओं ने तिरंगा रैली निकाली। इस दौरान भारत माता की जय, विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा के नारों के साथ स्काउट बैंड की धुन रैली के परिपथ को देशभक्ति से सरोबार कर रही थी। तिरंगा यात्रा में प्रो. गीता सिंह, ले. डॉ. पंकज सिंह, डॉ. राजेश कुमार, डॉ. अवनीश राय, डॉ. कृष्णानंद पांडेय आदि शामिल थे।

जाफरपुर बाजार में रानीपुर रजमो मंडल अध्यक्ष जयश्री चौहान और मुख्य अतिथि एससी/एचटी आयोग के सदस्य तीजा राम, प्रशांत सिंह, मंजू सरोज क्षेत्रीय मंत्री गोरखपुर की देखरेख में निकाली गई। इस मौके पर भूमि विकास बैंक के चेयरमैन अरविंद सिंह, राजेश सिंह, आलोक पटेल आदि मौजूद रहे। ब्लॉक मुख्यालय से तिरंगा यात्रा खंड विकास अधिकारी शशिकांत पांडे के नेतृत्व में निकाली गई। पल्हनीः राजकीय इंटर कॉलेज जामुडी से प्रधानाचार्य अंगद मौर्या के नेतृत्व में रैली निकली। जिसमें सहायक अध्यापक ज्ञान प्रकाश राय, शिक्षक सुनीता यादव, उदिता सिंह, प्रियंका आदि मौजूद रहे।

ब्लॉक मुख्यालय से परिषदीय स्कूलों के शिक्षकों और ब्लाक कर्मचारियों की ओर से निकाली गई को संयुक्त शिक्षा आयुक्त रविशंकर और एबीएसए राजीव कुमार ने हरी झंडी दिखा रवाना किया। रैली में बीडीओ इशरत, गौरव यादव, राज कुमार आदि मौजूद रहे। बरदहः खंड शिक्षा अधिकारी ठेकमा रवि प्रकाश की देखरेख में तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक श्याम सुंदर तिवारी, दिनेश यादव आदि मौजूद रहे।

नगर पंचायत जहानागंज में चेयरमैन सरफराज अहमद और अधिशासी अधिकारी विनय चौबे के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकाली। रैली में रमेश श्रीवास्तव, मेहंदी, सुमंत, प्रशांत सिंह मंटू सिंह, सुधीर, वसीम, राकेश यादव आदि उपस्थित रहे।

आजादी की ज्वाला में आदिवासियों का अमर योगदान

- लेखकः वसीम खान

भारत की स्वतंत्रता की गाथा केवल शहरों और बड़े नेताओं की कहानी नहीं है, बल्कि जंगलों, पहाड़ों और गाँवों में बसे उन आदिवासी वीरों की भी है जिन्होंने अपने परंपरागत जीवन, संस्कृति और भूमि की रक्षा के लिए ब्रिटिश हुकूमत से टक्कर ली। उन्होंने सीमित साधनों, लेकिन अदम्य साहस के साथ अंग्रेजी शासन को ललकारा और कई बार उसे हिला कर रख दिया।

1. बिरसा मुण्डा का उलगुलान (1899-1900),झारखंड के महानायक बिरसा मुण्डा ने अपने लोगों को संगठित कर अंग्रेजी हुकूमत और जमींदारी प्रथा के खिलाफ उलगुलान (महाविद्रोह) छेड़ा। जंगल, जमीन और आदिवासी पहचान की रक्षा के लिए उनका संघर्ष आज भी प्रेरणा का स्रोत है।

2. संताल विद्रोह (1855-56),सिद्धू और कान्हू मुर्मू के नेतृत्व में संताल आदिवासियों ने ब्रिटिश शोषण और महाजनी प्रथा के खिलाफ हथियार उठाए। यह विद्रोह बंगाल, बिहार और झारखंड के बड़े हिस्से में फैल गया और हजारों संताली शहीद हुए।

3. भील आंदोलन,भीमा नायक और गोविंद गुरु जैसे नेताओं ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात में अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का बिगुल बजाया। भीलों का संघर्ष दशकों तक जारी रहा।

4. कोल विद्रोह (1831-32),झारखंड के कोल आदिवासियों ने जमींदारों और अंग्रेज अधिकारियों के अत्याचार के खिलाफ संगठित होकर विद्रोह किया, जिसने ब्रिटिश प्रशासन को हिला दिया।

5. खोंड विद्रोह, ओडिशा के खोंड जनजाति ने अपनी जमीन और संस्कृति की रक्षा के लिए अंग्रेजी सत्ता से कई बार भिड़ंत की।

6. अन्य महत्वपूर्ण योगदान, तांत्या भील – भारत का रॉबिन हुड कहे जाने वाले तांत्या भील ने गरीबों की मदद और अंग्रेजों से लूट के लिए अपने जीवन को दांव पर लगाया। तेभागा और तेलंगाना आंदोलनों में आदिवासी किसानों और मजदूरों ने सक्रिय भूमिका निभाई, जिससे जमींदारी व्यवस्था को चुनौती मिली।

आदिवासी संघर्ष का प्रभाव

इन विद्रोहों ने अंग्रेजों को एहसास दिलाया कि भारत की आत्मा केवल बड़े शहरों में नहीं, बल्कि जंगलों और पहाड़ों में भी बसती है। यह संघर्ष न केवल स्वतंत्रता की नींव बना, बल्कि आदिवासी पहचान और अधिकारों की रक्षा के लिए आज भी मिसाल है।

स्नातक प्रवेश के लिए इलाहाबाद डिग्री कॉलेज ने मंगलवार को दूसरा कटऑफ जारी जारी किया

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। स्नातक प्रवेश के लिए सीएमपी डिग्री कॉलेज, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज और इलाहाबाद डिग्री कॉलेज (एडीसी) ने दूसरा कटऑफ मंगलवार को जारी कर दिया। दूसरे कटऑफ के तहत 13 अगस्त को प्रवेश लिए जाएंगे। सीएमपी में बीए प्रवेश के लिए अनारक्षित का कटऑफ 350, एसटी का 150, बीकॉम में अनारक्षित का 370, एसटी का 150, बीएससी बायो में अनारक्षित का 450, एसटी का 300, बीएससी मैथ्स में अनारक्षित का 370, एसटी का 60, बीसीए में अनारक्षित का 377, एसटी का 50, बीसीए-एमसीए (डाटा साइंस) में अनारक्षित का 329, एसटी सभी और बीएएलएलबी में अनारक्षित का 490, एसटी का 185 अंक है। एडीसी में बीकॉम प्रवेश के लिए अनारक्षित का 250, बीए में अनारक्षित का 150 और बीएससी में 250 अंक है। बीएससी के छात्र-छात्राओं एवं बीए व बीकॉम के छात्रों को कीडगंज परिसर और छात्राओं को जीरो रोड परिसर में सुबह नौ से 11 बजे तक रिपोर्ट करनी है। सुबह 10 से अपराह्न दो बजे तक प्रवेश लिए जाएंगे। वहीं, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज में बीए प्रवेश के लिए अनारक्षित का कटऑफ 340, एसटी सभी, बीएलएलएबी में अनारक्षित का 468, एससी का 320, एसटी सभी,बीकॉम में अनारक्षित का 400, एसटी सभी, बीएससी मैथ्स में अनारक्षित का 350, एसटी सभी, बीएससी बायो में अनारक्षित का 420 अंक है व एसटी वर्ग के अभ्यर्थी प्रवेश ले सकते हैं।

जमीन बेचने का झांसा देकर कारोबारी के 35.50 लाख रुपये हड़पे

गोरखपुर(उत्तरशक्ति)। पादरी बाजार (गोरखपुर)। शाहपुर इलाके के जंगल हकीम नंबर दो स्थित मोहनापुर चुन्नीपुर टोला निवासी राम सुभाग गुप्ता से ठगी हो गई। जालसाजों ने गुलरिहा थाने के पीछे जमीन दिलाने का झांसा देकर उनके 35.50 लाख रुपये हड़प लिए। तय समय पर बैनामा न होने पर जब उन्होंने रुपये की मांग की जालसाजों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर लिया है। राम सुभाग गुप्ता ने बताया कि पिछले साल जमीन के सिलसिले में उनकी मुलाकात महराजगंज जिले के धनहा नाइक निवासी प्रॉपर्टी डीलर अंकुर गुप्ता से हुई थी। उस दौरान अंकुर ने गुलरिहा थाने के पीछे वायु नंदन द्विवेदी की लगभग 1 एकड़ 35 डिसमिल जमीन दिखाया। इसका सौदा 36 लाख रुपये में तय हुआ था। जमीन पसंद आने पर उन्होंने 4 अक्तूबर 2024 को एडवांस के रूप में वायु नंदन के बैंक खाते में 5 लाख रुपये, अंकुर गुप्ता के खाते में 23 लाख रुपये और 3 दिसंबर 2024 को वायुनंदन के रिश्तेदार के खाते में 3 लाख रुपये भेज दिए।

आजादी की लड़ाई में भारत की वीरांगनाएँ

-रियाजुल हक खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत की स्वतंत्रता संग्राम में केवल पुरुष ही नहीं, बल्कि साहसी महिलाओं ने भी कंधे से कंधा मिलाकर अंग्रेजी हुकूमत से लोहा लिया। इन वीरांगनाओं ने कभी तलवार उठाई, कभी कलम से आवाज बुलंद की, और कभी जेल की सलाखों के पीछे रहकर भी संघर्ष जारी रखा। 1. रानी लक्ष्मीबाई (झाँसी) 1857 के विद्रोह की प्रतीक, अंग्रेजों के खिलाफ तलवार लेकर लड़ीं। ग्वालियर के युद्ध में 1858 में वीरगति पाईं। 2. बेगम हजरत महल (अवध) 1857 की क्रांति में लखनऊ की कमान संभाली। अंग्रेजों को लखनऊ छोड़ने पर मजबूर किया, बाद में नेपाल में निर्वासन। 3. सरोजिनी नायडू ॡभारत कोकिलाॡ के नाम से प्रसिद्ध। असहयोग, नमक सत्याग्रह और भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय, कई बार जेल गईं। 4. कस्तूरबा गांधी, महात्मा गांधी की सहधर्मिणी, आंदोलन की महत्वपूर्ण सहयोगी। 1944 में आगा खान पैलेस की जेल में निधन। 5. अरुणा आसफ अली, 1942 भारत छोड़ो आंदोलन में दिल्ली के गोविंद बल्लभ पंत मैदान में तिरंगा फहराने के लिए प्रसिद्ध। लंबे समय तक भूमिगत रहकर ब्रिटिश सत्ता को चुनौती दी। 6. कैप्टन लक्ष्मी सहगल, नेताजी सुभाष चंद्र बोस के आजाद हिंद फौज की ॡझाँसी की रानी रेजिमेंटॡ की कमांडर। आजादी के लिए सिंगापुर और बर्मा तक मोर्चा संभाला। 7. बीना दास, 1932 में गवर्नर पर गोली चलाकर ब्रिटिश सत्ता को चुनौती दी, कई साल जेल में रहीं। 8. दुर्गावती देवी (दुर्गा भाभी) भगत सिंह और साथियों को सुरक्षित बचाने में मदद, क्रांतिकारी अभियानों में सक्रिय भागीदारी। 9. मटांगिनी हाजरा, 73 वर्ष की आयु में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान तिरंगा लेकर अंग्रेजी पुलिस की गोली से शहीद। 10. प्रीतिलता वादेदार, बंगाल में क्रांतिकारी गतिविधियों में अग्रणी, पचौरी यूरोपियन क्लब पर हमले में वीरगति पाई।

11. उषा मेहता, भारत छोड़ो आंदोलन में गुप्त रेडियो स्टेशन से क्रांति का संदेश फैलाया, 4 साल जेल में रहीं। 12. भीकाजी कामा, 1907 में जर्मनी में भारत का पहला स्वतंत्रता झंडा फहराया, विदेश में भारत की आजादी की आवाज बुलंद की। 13. विजयलक्ष्मी पंडित, स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय, कई बार कैद, बाद में भारत की पहली महिला विदेश मंत्री बनीं। इन वीरांगनाओं ने साबित किया कि स्वतंत्रता की लड़ाई केवल पुरुषों का क्षेत्र नहीं थी। इनके साहस, बलिदान और नेतृत्व ने आजादी की नींव को मजबूत किया और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा दी।

न्यूज नेशन 81 मध्य प्रदेश इकाई की बैठक राजधानी भोपाल में आयोजित

भोपाल (उत्तरशक्ति)। न्यूज नेशन 81 की मध्य प्रदेश इकाई की एक महत्वपूर्ण बैठक राजधानी भोपाल में आयोजित की गई।इस विशेष बैठक का आयोजन मध्य प्रदेश प्रभारी डॉ. इमरान खान द्वारा किया गया। जिसमें प्रदेश के सभी जिलों से आए संवाददाता और तकनीकी टीम के सदस्य शामिल हुए। बैठक के मुख्य अतिथि न्यूज नेशन 81 के सीईओ शैलेन्द्र सिंह राजपूत रहे जिनकी गरिमामयी उपस्थिति ने इस आयोजन को और भी प्रभावशाली बना दिया । बैठक में चैनल के विस्तार, संचालन प्रणाली, ग्राउंड रिपोर्टिंग और डिजिटल मीडिया के प्रभावी उपयोग पर गहन चर्चा की गई। बैठक में यह भी तय किया गया कि चैनल न सिर्फ. जनसमस्याओं को प्रमुखता देगा। बल्कि गाँवों, युवाओं और स्थानीय विकास की कहानियों को भी राष्ट्रीय मंच पर लाने का काम करेगा। इस मौके पर संवाददाताओं से टीमवर्क, तकनीक के बेहतर इस्तेमाल और निष्पक्ष पत्रकारिता की शपथ भी ली गई।कार्यक्रम मे नेशनल हेड अनिल तिवारी भी उपस्थित रहे व कार्यक्रम का संचालन भोपाल संभाग प्रभारी जीतेन्द्र सिंह सोलंकी ने किया।

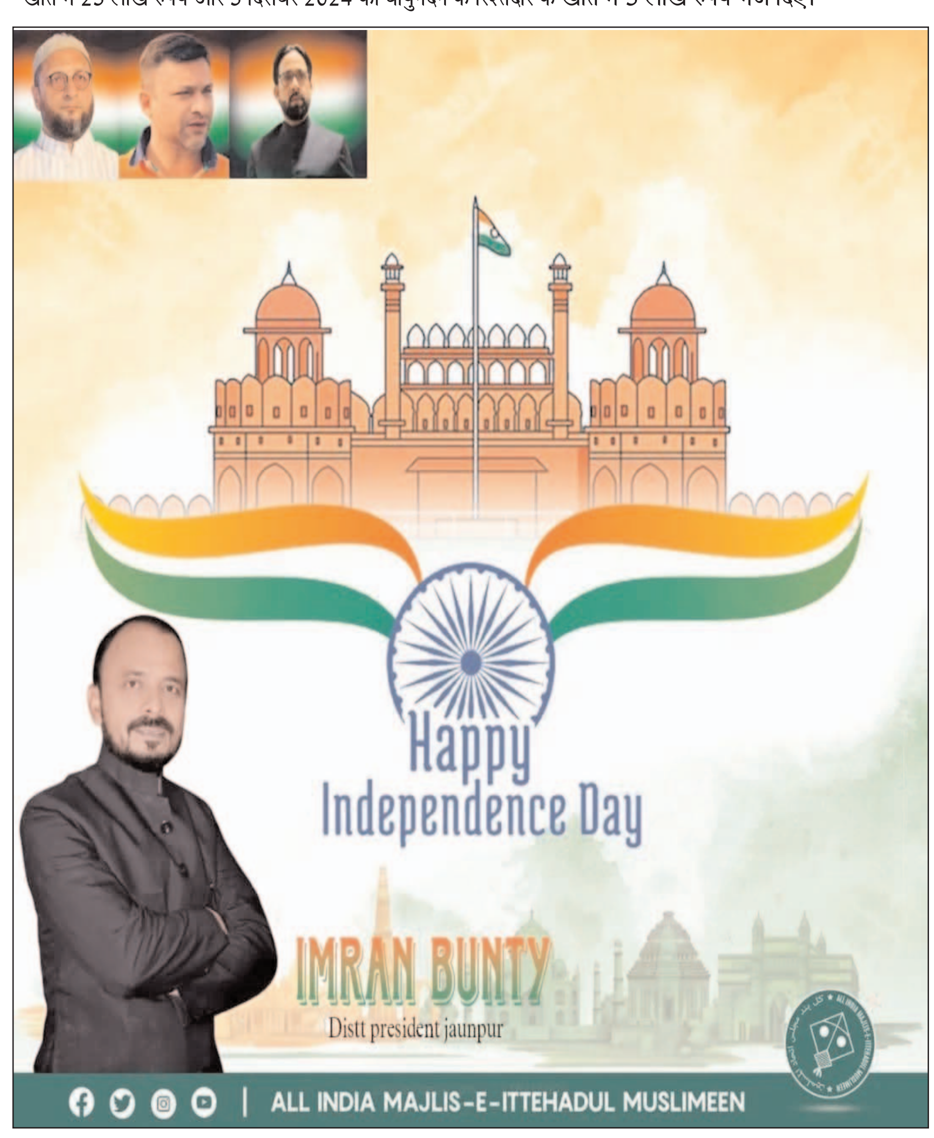

गयाजी में मोदी - नीतीश की संयुक्त सभा को ऐतिहासिक बनाने के लिए एनडीए कार्यकर्ता संकल्पित: उमेश सिंह कुशवाहा

पटना। आगामी 22 अगस्त को गयाजी में मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मा0 मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के संयुक्त कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर जनता दल (यू0) के मा0 प्रदेश अध्यक्ष श्री उमेश सिंह कुशवाहा ने गयाजी टाउन हॉल में आयोजित एनडीए कार्यकर्ता बैठक में भाग लिया। उन्होंने घटक दलों के सभी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कार्यक्रम की सफलता हेतु अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने का आह्वान किया।

श्री कुशवाहा ने कहा कि 22 अगस्त का दिन गयाजी के सर्वांगीण विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण होने वाला है। इस अवसर पर मा0 प्रधानमंत्री एवं मा0 मुख्यमंत्री गयाजी वासियों को अनेक महत्वपूर्ण विकास योजनाओं की सौगात देंगे, जो क्षेत्र की प्रगति और समृद्धि का नया अध्याय लिखेगी। उन्होंने कहा कि जब-जब ये दोनों युगपुरुष एक मंच पर आते हैं, तब लोगों की उम्मीदों को नई उड़ान मिलती है। एक ओर श्री नरेंद्र मोदी भारत को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने में दिन-रात जुटे हैं, वहीं दूसरी ओर श्री नीतीश कुमार बिहार को विकसित और समृद्ध बनाने के लिए संकल्पबद्ध हैं। इसलिए, इस जोड़ी को और मजबूती देना हम सभी का प्रथम कर्तव्य है, ताकि वे देश और बिहार के विकास में और प्रभावी भूमिका निभा सकें।

मा0 प्रधानमंत्री ने बिहार के लिए जब जो वादा किया उसे पूरा किया। बिहार को 60 हजार करोड़ से अधिक का विशेष पैकेज मिला है। इधर हाल में भी वे जितनी बार बिहार आए हैं उन्होंने सौगातों की झड़ी लगाई है, साथ ही, मा0 मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी एक के बाद एक सौगात बिहारवासियों को दे रहे हैं। चाहे वो 125 यूनिट फ्री बिजली हो, 400 रु. की जगह 1100 रु. सामाजिक सुरक्षा पेंशन हो, 50 लाख नौकरी और रोजगार देने के बाद अगले 5 साल में 1 करोड़ नौकरी और रोजगार देने की घोषणा हो, राज्य की हर पंचायत में विवाह भवन हो, आशा और ममता कार्यकताओं की प्रोत्साहन राशि में वृद्धि हो, बिहार की एनडीए सरकार एक के बाद एक उपहार बिहारवासियों को दे रही है।

प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि इस हॉल से निकलते समय हर कार्यकर्ता अपने मन में यह दृढ़ संकल्प लेकर जाए कि 22 अगस्त का कार्यक्रम ऐतिहासिक और भव्य बने। गयाजी की पावन भूमि पर मा0 प्रधानमंत्री और मा0 मुख्यमंत्री जी का स्वागत ऐसा हो कि उनका हृदय हर्ष और गर्व से भर जाए।

उन्होंने आगे कहा कि सभी कार्यकर्ता आपस में समन्वय स्थापित कर अपने-अपने क्षेत्रों में व्यापक संपर्क अभियान चलाएं, अधिक से अधिक लोगों को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रेरित करें, ताकि विशाल जनसमूह के माध्यम से एनडीए की एकता का भव्य प्रदर्शन हो सके।

महिला मंडल तीज महाउत्सव धूमधाम से मनाया गया

पटना। मित्र मंडल कॉलोनी साकेत विहार अनिसाबाद परिहार बुटीक द्वारा आयोजित महिला मंडल तीज महा उत्सव धूमधाम से मनाया गया,तीज उत्सव की संयोजिका श्रीमती वंदना सिन्हा ने कार्यक्रम का संचालन वेलकम इन होटल के हाल में किया, इसमें मित्र मंडल कॉलोनी की महिला बढ़ चढ़कर के भाग ली, नए-नए पोशाक और दुल्हन के वेशभूषा में नित्यागन कविता बहुत सारी कार्यक्रम इन्होंने प्रस्तुत किया, कुछ महिलाओं ने बिल्कुल दुल्हन की तरह सज कर आई और आकर्षक नित्य साहित्य गीत आदि कार्यक्रम को प्रस्तुत किया ,जिसमें तीज क्वीन का पुरस्कार श्रीमती रूप सिन्हा को दिया गया अलका सिन्हा रूबी सिन्हा और नीतू को सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार दिया गया गायन में श्रीमती मनोज बाला जमुआर और अंगिका सिन्हा को पुरस्कृत किया गया 60 + आगे में जो महिला नित्या की श्रीमती नीता गुप्ता को भी पुरस्कृत किया गया और भी सारी महिलाओं ने अपने-अपने कल का वह खूबी प्रदर्शन किया उन महिलाओं में किरण सिन्हा और उषा सरला देवी बिना जी संगीता उषा परवे तानी और भी बहुत सारी महिलाएं थी जो काफी धूमधाम से इस प्रोग्राम को एंजॉय की लिली सिन्हा को गायन में सम्मानित किया गया। सरला देवी को भी नित्य में प्लस गायन में पुरस्कृत किया गया,हमारी जज थी डॉक्टर श्रीमती शम्मा ,डॉक्टर श्रीमती नीता नाथ और रश्मि थी इन्होंने भी सारे प्रोग्राम को काफी सराहा और यह लोग भी साथ में बहुत एंजॉय कियाजों का कहना था, की वंदना सिंह घर में रहने वाली ग्रहणियों के साथ इस तरह के कार्यक्रमका आयोजन करती रहती हैं,एवं महिलाओं के उत्थान के लिए हमेशा बढ़-चढ़कर कार्य करती रहती हैं, साथ ही अपना एक संस्था परिहार बुटीक भी चलाती हैं , जिसमें महिलाओं को सिलाई प्रशिक्षण भी देती हैं और बहुत तरह के डिजाइनर ड्रेस भी उनके बुटीक में बनाया जाता है, वंदना सिन्हा सोशल काम भी बहुत करती हैं।

संक्षिप्त खबर

बिहार कम्प्यूटर शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन पटना के द्वारा राज्य स्तरीय विशाल महाधरना का आयोजन किया गया

पटना। 2008 से ही अभी तक सरकारी संस्थानों में कायं करने का अनुभव प्राप्त कम्प्यूटर इंस्ट्रक्टर लैब कम्प्यूटर अनुदेशक को बिहार सरकार जल्द से जल्द 60 वर्ष की घोषणा की मांग की गई। बिहार कम्प्यूटर शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन पटना के द्वारा राज्य स्तरीय विशाल महाधरना का आयोजन किया गया जिसमें सभी राज्यों के प्रतिनिधियों ने एक साथ एक मांग 60 वर्ष की सेवा्३@रूँङ्कङ्ग' स्त्र१ङ्की्३ के अन्तर्गत कम्प्यूटर इंस्ट्रक्टर (कम्प्यूटर अनुदेशक) की सेवा समायोजन करने की माननीय मुख्यमंत्री,उप मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव बिहार सरकार,शिक्षा मंत्री,अपर मुख्य सचिव,सभी को ज्ञापन सौंपा आग्रह किया गया। जिसका नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष श्री दिलीप कुमार के द्वारा किया गया सरकारी विद्यालयों में मध्य, माध्यमिक, उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के बच्चों को बेसिक कम्प्यूटर की जानकारी, थ्योरी, सप्ताहिक मुलयांकन,नीट, जेईई मौक टेस्ट,ई शिक्षा कोष,यू डेस ,ओन लाईन सभी तरह विधालय काय करते हैं इनकी नियुक्ति लिखीत परीक्षा एवं साक्षात्कार तथा शैक्षणिक योग्यता के आधार पर की गई जैसे असम, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, पंजाब मे 60 वर्ष के लिए हो गई है।

सरकार रसोइयों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही हैं : उमाशंकर प्रसाद

पटना। धरना सभा को सम्बोधित करते हुए संगठन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष उमाशंकर प्रसाद एवं प्रदेश सचिव मोहम्मद अकील ने संयुक्त रूप से कहा की भारत के प्रत्येक नागरिक को गरिमा पूर्वक जीने का अधिकार है लेकिन सरकार रसोइयों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही हैं। सरकार रसोइयों को बधुआ मजदुर बना कर रखना चाह रही है। उन्होंने कहाँ की रसोइयों की मांगो पर विचार नहीं हुआ तो संगठन व्यापक आन्दोलन के लिए बाध्य होगा। जिसकी सारी जवाबदेही सरकार की होगी। घरना सभा को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मन्टू चौधरी एवं प्रदेश सचिव राजेश कुमार ने संयूक्त रूप से रसोइयों का हौसला अफजाई करते हुए एक जुट होकर आन्दोलन चलाने का आवाहन किया। धरना सभा को सम्बोधित प्रदेश अध्यक्ष कंचन कुंवर प्रदेश का सदस्य मनीष कुमार, प्रदेश का० सदय राजू, राणा, जाकिर हुसैन, माधुरी कुमारी, सुनैना देवी, जीतू कुमार, महेन्द्र पासवान, लाल विहारी यादव, जमल पाण्डेय, सीताराम चौधरी, मानो देवी, आज्ञा देवी, निर्मला देवी, अनीता देवी, सुरेश राय, पवन शुक्ला, सुधांशु कुमार, क्राति सिंह जीतेन्द्र दुबे, हरिदेव महतो, रूवी देवी, प्रमोद कुमार, शंकर कुमार, रेखा देवी, कंचन देवी, गीता देवी, नीलम देवी, अजय ठाकुर, मोहम्मद समसूजोडा. संत प्रसाद पाण्डेय, रामजी पासवान, आस्ती देवी, अर्चना देवी, राथा देवी, संतोष कुमार, शकेन कुमार, हरी लाल, जया देवी, सीमा देवी, पप्पू कुमार, अमृता देवी, बिंदा देवी, रेखा देवी, हरे सम, गुडिया देवी, कृष्णा प्रसाद, योगेन्द्र शर्मा, सम कुमार चौधरी, लीला देवी, अमिस्क प्रसाद, गंमाजली देवी, मोहल जे सयुक्त रूप से किया।

डेढ़ हजार से अधिक टिकट के दावेदारों ने कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी के समक्ष दावेदारी पेश की

पटना। राजधानी पटना अवस्थित सदाकत आश्रम में आज अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से गठित स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई ।उस बैठक में स्क्रीनिंग कमेटी के समक्ष बिहार प्रदेश के 19 जिलों के लगभग डेढ़ हजार प्रत्याशियों ने अपनी दावेदारी प्रस्तुत की। स्क्रीनिंग कमेटी के बैठक में कमेटी के अध्यक्ष पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय माकन,राज्यसभा सदस्य इमरान प्रतापगढ़ी, सांसद परिणीति शिंदे एवं कुणाल चौधरी के समक्ष बिहार प्रदेश के विभिन्न विधानसभा क्षेत्र से आए टिकट के प्रबल दावेदारों ने अपने लिए टिकट की दावेदारी प्रस्तुत की। इस दौरान ऑनलाइन टिकट की दावेदारी प्रस्तुत कर चुके टिकट अभ्यर्थियों ने आज पार्टी कार्यालय में इन स्क्रीन कमेटी के समक्ष उपस्थित होकर ऑफलाइन तरीके से टिकट पर अपना दावा जताया इस क्रम में कई वर्तमान विधायक,पूर्व सांसद,पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक तथा बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अग्रणी नेताओं ने विधानसभा चुनाव को लेकर अपने-अपने क्षेत्र के लिए टिकट की मांग रखी। उल्लेखनीय है कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर कांग्रेस के आलाकमान के द्वारा प्रदेश के विधानसभा सीटों पर उचित प्रत्याशियों के चयन के लिए स्क्रीनिंग कमेटी का गठन किया गया है।

पीके ने भ्रष्ट अधिकारियों को दी खुली चेतावनी

गोपालगंज। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर अपनी बिहार बदलाव यात्रा के क्रम में आज गोपालगंज के बरौली में बिहार बदलाव जनसभा करने पहुंचे। बारिश के बीच जनसभा को संबोधित करने के बाद उन्होंने पत्रकारों से भी बात की। पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए प्रशांत किशोर ने फिर से चुनाव आयोग को घेरा।उन्होंने भाजपा नेता भीखू भाई दलसानिया का नाम बिहार की वोटर लिस्ट में जोड़े जाने पर कहा कि चुनाव आयोग चाहे जिसे भी वोटर बना ले। जिसका नाम काटना है, काट ले और जिसका नाम जोड़ना है, जोड़ ले। बिहार की जनता ने तय कर लिया है और इस बार बदलाव निश्चित है।प्रशांत किशोर ने पत्रकारों से बातचीत में बेतिया सदर अस्पताल में मृत व्यक्ति के शव से दुर्व्यवहार के वायरल वीडियो मामले में स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय पर भी जोरदार हमला किया। उन्होंने कहा कि बिहार में सभी अस्पतालों की स्थिति खराब है। अभी बेतिया से वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें दो लोग एक वृद्ध व्यक्ति का शव सीढ़ी से घसीट रहे हैं। इसलिए जब तक बिहार में मंगल पांडे जैसे लोग स्वास्थ्य मंत्री रहेंगे, जिनका काम लूटना और चोरी करना है, तब तक स्वास्थ्य व्यवस्था अच्छी नहीं हो सकती है। वहीं प्रशांत किशोर ने एक सवाल के जवाब में बिहार के भ्रष्ट नेताओं और अधिकारियों को खुली चेतावनी देते हुए कहा कि जिन नेताओं और अफसरों ने बिहार को लूटा है।

विपक्ष की राजनीति अनर्गल आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित - श्रवण कुमार

पटना। बुधवार को जद (यू0) प्रदेश कार्यालय, पटना में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में बिहार सरकार के माननीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री श्रवण कुमार ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए आमजन की समस्याओं को सुना और उनके त्वरित समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक श्री संजय कुमार सिंह उर्फ ह्यगांधी जीह्न तथा प्रो. नवीन आर्य चंद्रवंशी भी उपस्थित रहे। इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत में श्री श्रवण कुमार ने कहा कि विपक्षी नेताओं के पास केवल आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति के अलावा कोई और काम नहीं बचा है। मृत एवं अयोग्य मतदाताओं की छँटाई के लिए चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे मतदाता पुनरीक्षण अभियान पर सवाल उठाना, उनकी बौखलाहट का स्पष्ट प्रमाण है। उन्होंने कहा कि बीते बीस वर्षों में गांवों और शहरों में बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं में क्रांतिकारी सुधार हुआ है। यह जगजाहिर है कि माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने वर्ष 2005 के बाद बिहार का कायाकल्प करने का कार्य किया है, जिसका सकारात्मक असर सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

अभिषेक यादव ने अपने समर्थकों के साथ राजद की सदस्यता ग्रहण की

पटना। बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के राज्य कार्यालय में राजद के प्रदेश प्रधान महासचिव श्री रणविजय साहू के समक्ष प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद, प्रदेश महासचिव डॉक्टर प्रेम कुमार गुप्ता, युवा राजद के महासचिव विक्रांत राय की उपस्थिति में छात्र नेता अभिषेक यादव ने अपने समर्थकों के साथ राष्ट्रीय जनता दल की सदस्यता ग्रहण की। इनके साथ संजय यादव ,राज सिंह, रूपेश यादव ,शिवसागर कुमार, गुड्डू कुमार ने भी राजद की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने बताया कि प्रदेश प्रधान महासचिव श्री रणविजय साहू से राजद की सदस्यता रसीद के साथ राष्ट्रीय जनता दल के प्रतीक चिन्ह का गमछा , लालटेन और लालू जी के जीवनी पर लिखित पुस्तक गोपालगंज टू रायसीना देकर सम्मानित किया ।इस अवसर पर प्रदेशप्रधान महासचिव श्री रणविजय साहू ने कहा कि बिहार में छात्र युवाओं के साथ चल की राजनीति की जा रही है और युवा जब भी नौकरी और रोजगार मांगने जाते हैं तो उनका लाठी और आंसू गैस से स्वागत किया जाता है।

विपक्ष 'वोट अधिकार यात्रा' नहीं, राजनीतिक जमीन बचाने के लिए निकली है: मंत्री नितिन नबीन

पटना। बिहार के पथ निर्माण मंत्री एवं बांकीपुर से विधायक नितिन नबीन ने विपक्ष द्वारा 17 अगस्त से शुरू की जाने वाली तथाकथित वोट अधिकार यात्रा को जनता को गुमराह करने की एक और विफल कोशिश करार दिया है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव, राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन के तमाम नेता इस यात्रा में शामिल होंगे, लेकिन इन नेताओं का अपना अतीत और कार्यशैली ही यह साबित करती है कि यह यात्रा जनता के अधिकारों के लिए नहीं, बल्कि अपनी राजनीतिक जमीन बचाने के लिए है। मंत्री नितिन नबीन ने कहा कि जिन्होंने कभी शासन में रहते हुए विकास के नाम पर जनता से केवल झूठे वादे किए, वही आज खुद को जनता का मसीहा बताने निकल पड़े हैं। तेजस्वी यादव के कार्यकाल में अपराध चरम पर था और राहुल गांधी के नेतृत्व में उनकी पार्टी देशभर में जनता का विश्वास खो चुकी है, आज दोनों मिलकर बिहार की जनता को ₹जागरूक₹ करने का दावा कर रहे हैं। यह बात अपने आप में एक बड़ा उपहास है।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा, राहुल गाँधी की विपक्ष के साथ 'वोट अधिकार यात्रा' जनता के अधिकार के लिए नहीं, बल्कि 'वोट बैंक बचाओ यात्रा' है। जनता को जागरूक करने के नाम पर भ्रम फैलाने और सत्ता के सपने देखने वाले ये नेता असल में अपने राजनीतिक अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं।

आत्मनिर्भर बिहार के बिना विकसित भारत अधूरा, बदलाव की चाबी युवाओं के हाथ: ऋतुराज

पटना। पटना स्थित चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान के सभागार में आज 'बेहतर बिहार संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के राष्ट्रीय मंत्री श्री ऋतुराज सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने बिहार के युवाओं के साथ सीधा संवाद स्थापित करते हुए राज्य के विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री सिन्हा ने कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य तब तक पूरा नहीं हो सकता, जब तक बिहार इसमें अग्रणी भूमिका न निभाए। उन्होंने कहा, आत्मनिर्भर बिहार के बिना विकसित भारत अधूरा है, और बदलाव की चाबी युवाओं के हाथ में है।₹ उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपनी सोच और दृष्टिकोण को बदलकर इस परिवर्तन की धुरी बनें।

श्री सिन्हा ने बिहार के बारे में बनी नकारात्मक धारणा को समाप्त करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, ₹कोई व्यक्ति अपने परिवार को कोसकर प्रगति नहीं कर सकता, वैसे ही बिहार को दोष देकर हम आगे नहीं बढ़ सकते। युवाओं को स्पष्ट विजन और सकारात्मक सोच के साथ नेतृत्व संभालना होगा।₹ उन्होंने युवाओं को 1975 के जेपी आंदोलन की याद दिलाई, जब बिहार के युवाओं ने एकजुट होकर तानाशाही और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाई थी। रोजगार के मुद्दे पर श्री सिन्हा ने कहा कि हर युवा सरकारी नौकरी की उम्मीद करता है, लेकिन यह व्यावहारिक नहीं है कि सरकार सभी को नौकरी दे। उन्होंने युवाओं से स्वरोजगार और उद्यमिता की ओर कदम बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने गुजरात का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां के युवा 18 साल की उम्र में व्यवसाय शुरू कर देते हैं।

राकेश तिवारी और आकाश दीप के बीच खेल विकास पर हुई विस्तार से चर्चा

पटना। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश तिवारी से आज अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर आकाश दीप ने मुलाकात की। यह मुलाकात बीसीए कार्यालय, पटना में सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई। इस दौरान दोनों के बीच आकाश दीप के क्रिकेट सफर, उनकी मेहनत और हालिया अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शन पर विस्तृत चर्चा हुई। श्री तिवारी ने आकाश दीप के समर्पण, संघर्ष और निरंतर बेहतर प्रदर्शन को सराहते हुए कहा कि वह न केवल बिहार बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का विषय हैं। बातचीत में अध्यक्ष तिवारी ने यह भी उल्लेख किया कि आकाश दीप का खेल करियर उन सभी युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखते हैं। उन्होंने कहा कि आकाश दीप ने कठिन परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य पर ध्यान बनाए रखा और आज वह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुके हैं।

हिन्दी,संस्कृत और बंगला भाषाओं के उद्भट विद्वान थे पं हंस कुमार तिवारी

पटना। हिन्दी, संस्कृत और बंगला भाषाओं के उद्भट विद्वान थे पं हंस कुमार तिवारी। अनुवाद-साहित्य में उनका महान अवदान है। आपने बंगला साहित्य के हिन्दी में अनुवाद के साथ ही कई अनेक मौलिक साहित्य का सृजन कर हिन्दी का भंडार भरा । राष्ट्रभाषा परिषद, बिहार के निदेशक के रूप में उनके कार्यों को आज भी स्मरण किया जाता है ।यह बातें बुधवार को बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में आयोजित जयंती समारोह एवं कवि-सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए, सम्मेलन-अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कही। जयंती पर, स्वतंत्रता-सेनानी और हिन्दी-सेवी पीर मुहम्मद मूनिस को स्मरण करते हुए, डा सुलभ ने कहा कि वे चंपारण-सत्याग्रह के प्रथम-ध्वजवाहकों में से एक थे। महात्मा गाँधी को चंपारण लाने में पं राज कुमार शुक्ल के साथ मूनिस जी की भी बड़ी भूमिका थी। उनकी हिन्दी-सेवा भी प्रणम्य है। सन १९१९ में बिहार में आहूत हुए १०वें अखिल भारत वर्षीय हिन्दी साहित्य सम्मेलन के प्रमुख संयोजक थे मूनिस जी। वे बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के भी अध्यक्ष रहे ।समारोह के मुख्यअतिथि और राँची विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के पूर्व अध्यक्ष डा जंग बहादुर पाण्डेय ने कहा कि अपने जीवन की लम्बी आयु में गद्य और पद्य साहित्य समेत पत्रकारिता और आलोचना के माध्यम से हिन्दी की बड़ी सेवा की । किंतु अनुवाद-साहित्य के लिए वे पूरे देश में सम्मान पाते रहे । उन्होंने शरत चंद्र चट्टोपाध्याय और विमल मित्र समेत बंगाल के प्रायः सभी बड़े कीर्तिकारों की महत्त्वपूर्ण पुस्तकों का हिन्दी अनुवाद किया। अतिथियों का स्वागत करते हुए, सम्मेलन की उपाध्यक्ष डा मधु वर्मा ने कहा कि पं हंस कुमार तिवारी का व्यक्तित्व और कृतित्व जीवंत है। उन्होंने अनुवाद-साहित्य को सर्वाधिक बल दिया। उन्होंने बंगला साहित्य के अनेक ग्रंथों का हिन्दी में अनुवाद किया, उनमे रवींद्रनाथ ठाकुर की रचना 'गीतांजलि' भी सम्मिलित है।

पीएम मोदी के गयाजी आगमन को लेकर एनडीए की बैठक, सभी घटक दलों के प्रदेश अध्यक्ष हुए शामिल

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 22 अगस्त को बिहार के पवित्र तीर्थस्थल और दुनिया में 'ज्ञानस्थली' के रूप में चर्चित गयाजी पहुंच रहे हैं। प्रधानमंत्री के गयाजी आगमन को लेकर मगध की संपूर्ण धरती उनके आगमन पर स्वागत के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री अपने इस दौरे के क्रम में गयाजी और बोधगया के निवासियों के अलावा बिहार को कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे।

प्रधानमंत्री मोदी के गयाजी दौरे को लेकर आज गयाजी में एनडीए की बैठक आयोजित की गई, जिसमें भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, लोजपा (रामविलास) के अध्यक्ष राजू तिवारी, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के अध्यक्ष अनिल कुमार और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मदन चौधरी शामिल हुए। इस दौरान सभी ने पीएम मोदी की सभा में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आग्रह किया। पीएम मोदी की ऐतिहासिक जनसभा की तैयारी के निमित्त हुई बैठक में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि पीएम मोदी के आगमन को लेकर एनडीए कार्यकताओं में उत्साह है और सभी प्रधानमंत्री के स्वागत की तैयारी में जुटे हैं। उन्होंने पीएम मोदी द्वारा आयोजित विशाल जनसभा को ऐतिहासिक बनाने में सभी की भागीदारी सुनिश्चित करने की बात कही।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी का गयाजी में आयोजित कार्यक्रम न केवल इस पावन और ज्ञानस्थली के लिए बल्कि मगध और बिहार के लिए वरदान साबित होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए एनडीए के एक-एक कार्यकर्ता पूरी ऊर्जा और उत्साह के साथ तैयार हैं। भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री जब भी बिहार आए हैं, प्रदेश को कई सौगात देकर जाते हैं।

श्रीकृष्ण हैं शाश्वत एवं प्रभावी सृष्टि संचालक

-ललित गर्ग

श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव-जन्माष्टमी-16 अगस्त 2025 पर विशेष

भगवान श्रीकृष्ण भारतीय संस्कृति के ऐसे अद्वितीय महापुरुष हैं, जिनके व्यक्तित्व में आध्यात्मिक ऊँचाई, लोकनायकत्व, व्यावहारिक बुद्धिमत्ता और कुशल प्रबंधन का अद्भुत संगम दिखाई देता है। वे केवल एक धार्मिक देवता नहीं, बल्कि सृष्टि के महाप्रबंधक, समय के श्रेष्ठ रणनीतिकार और जीवन के महान शिक्षक-संचालक भी हैं। उनका सम्पूर्ण जीवन इस बात का प्रमाण है कि सही प्रबंधन के बिना न तो राष्ट्र का संचालन संभव है, न ही व्यक्ति का उत्थान। उन्होंने यह सिखाया कि प्रबंधन केवल योजनाओं और नीतियों का नाम नहीं, बल्कि भावनाओं, विवेक, नीति और समय के सामंजस्य का विज्ञान है। वे प्रवृत्ति और निवृत्ति दोनों की संयोजना में सचेतन बने रहे। श्रीकृष्ण के आदर्शों से ही देश एवं दुनिया में शांति स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त होगा। श्रीकृष्ण के प्रबंधन रहस्य को समझना होगा कि उन्होंने किस प्रकार आदर्श राजनीति, व्यावहारिक लोकतंत्र, सामाजिक समरसता, एकात्म मानववाद और अनुशासित सैन्य एवं युद्ध संचालन किया। राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए किस तरह की नीति और नियत चाहिए- इन सब प्रश्नों के उत्तर श्रीकृष्ण के प्रभावी प्रबंधन सूत्रों से मिलते हैं, आधुनिक शासक-नायक यदि श्रीकृष्ण के मैनेजमेंट को प्रेरणा का माध्यम बनाये तो दुनिया में युद्ध, आतंक एवं अराजकता की स्थितियां समाप्त हो जाये एवं एक आदर्श समाज-निर्माण को आकार दिया जा सके।

श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व एवं कृतित्व नेतृत्व एवं प्रबंधन की समस्त विशेषताओं को समेटे बहुआयामी एवं बहुरंगी है, यानी राजनीतिक कौशल, बुद्धिमत्ता, चातुर्य, युद्धनीति, आकर्षण, प्रेमभाव, गुरुत्व, सुख, दुख और न जाने और क्या? एक देश-भक्त के लिए श्रीकृष्ण भगवान तो हैं ही, साथ में वे जीवन जीने की कला एवं सफल नागरिकता भी सिखाते है। उन्होंने अपने व्यक्तित्व की विविध विशेषताओं से भारतीय-संस्कृति में उच्च महाप्रबंधक का पद प्राप्त किया। एक ओर वे राजनीति के ज्ञाता, तो दूसरी ओर दर्शन के प्रकांड पंडित थे। धार्मिक, राजनैतिक एवं सामाजिक जगत में भी नेतृत्व करते हुए ज्ञान-कर्म-भक्ति का समन्वयवादी धर्म उन्होंने प्रवर्तित किया। अपनी योग्यताओं के आधार पर वे युगपुरुष थे, जो आगे चलकर युवावतार के रूप में स्वीकृत हुए। उन्हें हम एक महान-क्रांतिकारी नायक के रूप में स्मरण करते हैं। वे दार्शनिक, चिंतक, गीता के माध्यम से कर्म और सांख्य योग के संदेशवाहक और महाभारत युद्ध के नीति निर्देशक थे। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में भी हम इन्हीं प्रबंधकीय विशेषताओं का दर्शन करते है, क्योंकि श्रीकृष्ण के जीवन-आदर्शों को आत्मसात करते हुए वे एक कुशल प्रबंधक के रूप में सशक्त भारत-नया भारत निर्मित कर रहे हैं। श्रीकृष्ण ने द्वारका के शासक होते हुए भी कभी अपने को ह्यराजाह्न कहलाने में रुचि नहीं दिखाई। वे ब्रज के नंदलाल थे, ग्वालों के सखा, गोपियों के प्रियतम, और साथ ही धर्म के रक्षक भी। उनका जीवन दशार्ता है कि एक सच्चा नेता पद और सत्ता से नहीं, अपने कर्म और दृष्टिकोण से पहचाना जाता है। उन्होंने प्रवृत्ति और निवृत्ति दोनों के बीच अद्भुत संतुलन साधा-एक ओर वे महाभारत जैसे महायुद्ध के नीति निर्देशक थे, तो दूसरी ओर रास की मधुर लीलाओं में प्रेम और आनंद के स्वर बिखेरते थे। उनका प्रबंधन कौशल इस बात में स्पष्ट झलकता है कि अत्याचारी कंस को पराजित करने से पहले उन्होंने उसकी आर्थिक शक्ति को कमजोर किया। यह आधुनिक रणनीति की दृष्टि से भी सर्वोत्तम तरीका था, पहले प्रतिद्वंद्वी की संसाधन शक्ति को समाप्त करो, फिर निर्णायक प्रहार करो। यही व्यावहारिक सोच उन्हें आदर्श मैनेजमेंट गुरु बनाती है। महाभारत के युद्ध में वे स्वयं अस्त्र-शस्त्र नहीं उठाते, लेकिन रथसारथी बनकर अर्जुन के मानसिक संकट को दूर करते हैं। यह इस बात का प्रतीक है कि एक श्रेष्ठ प्रबंधक स्वयं अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर मार्गदर्शन देता है, लेकिन अपनी टीम को ही सफलता का श्रेय देता है। गीता का उपदेश वास्तव में प्रबंधन का अमरसूक्त है, कर्तव्य के साथ कर्म में निष्ठा, परिणाम से अनासक्ति, समय पर निर्णय लेने की क्षमता और परिस्थितियों के अनुरूप रणनीति बदलने की लचीलापन। उन्होंने सिखाया कि असफलता का भय और परिणाम की चिंता व्यक्ति को कमजोर करती है, जबकि कर्तव्यपरायणता और आत्मसंयम सफलता की गारंटी है। श्रीकृष्ण की दृष्टि में इच्छाओं का त्याग, मन की स्थिरता, और विवेकपूर्ण कार्य-ये जीवन प्रबंधन के मूल सूत्र हैं। उनके व्यक्तित्व में असंख्य भूमिकाएं समाहित थीं, एक ओर वे सुदामा के लिए अद्वितीय मित्र हैं, तो दूसरी ओर दुष्ट शिशुपाल के वध में धर्म के कठोर संरक्षक। वे नंदगांव में माखन चुराने वाले नटखट बालक हैं, लेकिन वही आगे चलकर कुरुक्षेत्र में धर्मयुद्ध के नीति निमार्ता भी हैं। यही विरोधाभासों का संतुलन उन्हें अद्वितीय बनाता है। उन्होंने दिखाया कि कब करुणामय होना है और कब कठोर, कब प्रेम करना है और कब दुष्टता का दमन करना है, यह निर्णय केवल वही कर सकता है जो परिस्थितियों को भलीभांति समझता हो और समय का सदुपयोग जानता हो। श्रीकृष्ण एक आदर्श चरित्र है जो अर्जुन की मानसिक व्यथा का निदान करते समय एक मनोवैज्ञानिक, कंस जैसे असुर का संहार करते हुए एक धर्मावतार, स्वार्थ पोषित राजनीति का प्रतिकार करते हुए एक आदर्श राजनीतिज्ञ, विश्व मोहिनी बंसी बजैया के रूप में सर्वश्रेष्ठ संगीतज्ञ, बृजवासियों के समक्ष प्रेमावतार, सुदामा के समक्ष एक आदर्श मित्र, सुदर्शन चक्रधारी के रूप में एक योद्धा व सामाजिक क्रान्ति के प्रणेता हैं। उनके जीवन की छोटी से छोटी घटना से यह सिद्ध होता है कि वे सर्वैश्वर्य सम्पन्न थे। धर्म की साक्षात मूर्ति थे। कुशल राजनीतिज्ञ थे। सृष्टि संचालक के रूप में एक महाप्रबंधक थे। श्रीकृष्ण की समय-नियोजन क्षमता अद्भुत थी। 64 दिन में 64 कलाओं का ज्ञान प्राप्त करना इस बात का प्रमाण है कि जीवन में सीखने की गति और बहुआयामी दक्षता ही नेतृत्व की असली पहचान है। वे संगीत, नृत्य, युद्धकला, राजनीति, कूटनीति और दर्शन-हर क्षेत्र में पारंगत थे। एक श्रेष्ठ प्रबंधक की तरह उन्होंने न केवल अपनी क्षमताओं का विकास किया, बल्कि अपने समय और संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग भी किया। श्रीकृष्ण की राजनीतिक दृष्टि इतनी सूक्ष्म थी कि वे राजसत्ता को धर्मसत्ता के अधीन रखना चाहते थे। उनके जीवन में राष्ट्रहित सर्वोपरि था। उन्होंने विषमताओं को समाप्त करने, शत्रुता मिटाने और समाज में सामंजस्य स्थापित करने के लिए हर संभव प्रयास किया। उनके लिए सत्ता कोई व्यक्तिगत लाभ का साधन नहीं, बल्कि लोककल्याण का माध्यम थी। आवश्यकता पड़ने पर उन्होंने सत्ता का त्याग करने में भी संकोच नहीं किया। उनका ग्रामीण संस्कृति के प्रति प्रेम भी उल्लेखनीय है। माखनचोर की उनकी छवि केवल बाललीला नहीं, बल्कि उस समय की निरंकुश कर-व्यवस्था का प्रतिकार और ग्रामीण स्वावलंबन का समर्थन भी थी। उन्होंने गायों, ग्वालों और उनके उत्पादों को सम्मान और संरक्षण दिया, जिससे गांवों की आत्मनिर्भरता बनी रहे। आज जब हम प्रबंधन की बात करते हैं तो यह केवल कॉर्पोरेट, व्यापार या राजनीति तक सीमित नहीं है। यह जीवन की हर परिस्थिति में लागू होता है, चाहे वह व्यक्तिगत विकास हो, सामाजिक नेतृत्व हो या राष्ट्रीय पुनर्निर्माण। श्रीकृष्ण के जीवन से हम सीख सकते हैं कि स्थिर मन, समय पर निर्णय, संसाधनों का सही उपयोग, और नैतिकता का पालन-ये सभी किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अनिवार्य हैं। श्रीकृष्ण का सम्पूर्ण जीवन सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, धर्मपालन, और समय-सम्बद्ध रणनीति का जीवंत उदाहरण है। उनके सिद्धांतों को अपनाकर ही भारत आत्मनिर्भर, शक्तिशाली और सांस्कृतिक दृष्टि से संपन्न बन सकता है। जैसे उन्होंने कहा-ह्ययदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति जब भी अन्याय बढ़ेगा, तब एक श्रीकृष्ण का अवतरण होगा, और वह न केवल धर्म की पुनर्स्थापना करेगा बल्कि प्रबंधन की उस कला को भी जीवित रखेगा, जो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र तीनों को संतुलित रूप से आगे बढ़ाती है। श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव-जन्माष्टमी पर आज भारत का निर्माण उनकी शिक्षाओं, जीवन-आदर्शों, प्रबंधन-कौशल एवं सिद्धान्तों पर करने की अपेक्षा है, तभी हिन्दू सशक्त होंगे, तभी भारत सही अर्थों में हिन्दू राष्ट्र बन सकेगा।

7 वर्ष की उम्र में स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई में कूदे थे क्रांतिकारी अमर शहीद हेमू कालाणी

अशोक भाटिया

देश की आजादी में सिंधियों का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। विभाजन के बाद, सिंधी समुदाय ने न केवल अपनी पहचान बनाए रखी, बल्कि भारत के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सिंधी समुदाय के कई सदस्यों ने स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रूप से भाग लिया और देश के लिए बलिदान दिया। आजादी की लड़ाई में भारत के सभी प्रदेशो का योगदान रहा। अंग्रेजो को भारत से भगा कर देश को जिन वन्दनीय वीरो ने आजाद कराया उनमे सबसे कम उम्र के बालक क्रांतिकारी अमर शहीद हेमू कालाणी को भारत देश कभी नही भुला पायेगा। हेमू कालाणी सिन्ध के सख्खर में 23 मार्च सन 1923 में जन्में थे।

उनके पिताजी का नाम पेसूमल कालाणी एवं उनकी मां का नाम जेठी बाई था।हेमू बचपन से साहसी तथा विद्यार्थी जीवन से ही क्रांतिकारी गतिविधियों में सक्रिय रहे। हेमू कालाणी जब मात्र 7 वर्ष के थे तब वह तिरंगा लेकर अंग्रेजो की बस्ती में अपने दोस्तों के साथ क्रांतिकारी गतिविधियों का नेतृत्व करते थे। 1942 में 19 वर्षीय किशोर क्रांतिकारी ने 'अंग्रेजो भारत छोड़ो' नारे के साथ अपनी टोली के साथ सिंध प्रदेश में तहलका मचा दिया था और उसके उत्साह को देखकर प्रत्येक सिंधवासी में जोश आ गया था। बताया जाता है कि जब वह मात्र सात वर्ष के थे, तभी तिरंगा लेकर अंग्रेजों की बस्ती में चले जाते थे और अपने मित्रों के साथ निर्भीक होकर सभाएं करते थे। वह पढ़ाई-लिखाई में अच्छे होने के अलावा अच्छे तैराक तथा धावक भी थे। वह तैराकी में कई बार पुरस्कृत हुए थे। आठ अगस्त,1942 को गांधी जी ने 'अंग्रेजो भारत छोड़ो' तथा 'करो या मरो' का नारा दिया।

गांधी जी का कहना था कि या तो स्वतंत्रता लेंगे या फिर जान दे देंगे। अंग्रेजों को जाना ही होगा। इससे देश की जनता अंग्रेजों के विरुद्ध उद्वेलित हो गई थी और क्रांतिकारी गतिविधियां तेज हो गई थीं। फलतः ब्रिटिश सरकार क्रांतिकारियों का दमन करने लगी। सिंध प्रांत में जब यह आंदोलन तीव्र हुआ तो किशोरों व नवयुवकों के साथ हेमू कालाणी भी 'स्वराज सेना' के जरिए मुख्य भूमिका में इससे जुड़ गए।8 अगस्त 1942 को गांधी जी ने अंग्रेजों के विरुद्ध भारत छोडो आन्दोलन तथा करो या मरो का नारा दिया। इससे पूरे देश का वातावरण एकदम गर्म हो गया। गांधी जी का कहना था कि या तो स्वतंत्रता प्राप्त करेंगे या इसके लिए जान दे देंगे। अंग्रेजो को भारत छोड कर जाना ही होगा। जनता तथा ब्रिटिश सरकार के बीच लडाई तेज हो गई। अधिकांश कांग्रेसी नेता पकड पकड कर जेल में डाल दिए गए। इससे छात्रों, किसानों, मजदूरों, आदमी, औरतों व अनेक कर्मचारियों ने आन्दोलन की कमान स्वयं सम्हाल ली।

पुलिस स्टेशन,पोस्ट आफिस, रेलवे स्टेशन आदि पर आक्रमण प्रारंभ हो गए। जगह जगह आगजनी की घटनाएं होने लगी। गोली और गिरफ्तारी के दम पर आंदोलन को काबू में लाने की कोशिश होने लगी। हेमू कालानी सर्वगुण संपन्न व होनहार बालक था,जो जीवन के प्रारंभ से ही पढाई लिखाई के अलावा अच्छा तैराक,तीव्र साईकिल चालक तथा अच्छा धावक भी था। वह तैराकी में कई बार पुरस्कृत हुआ था। सिंध प्रान्त में भी तीव्र आन्दोलन उठ खडा हुआ तो इस वीर युवा ने आंदोलन में बढ चढकर हिस्सा लिया।

हेमू ने 'अंग्रेजो, भारत छोड़ो' नारे के साथ सिंधवासी में जोश और स्वाभिमान भर दिया। वे विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार एवं स्वदेशी अपनाने का स्वावलंबन सूत्र भी देशवासियों को दे रहे थे। विदेशी हुकूमत को उखाड़ फेंकने का संकल्प लेकर वह स्वतंत्रता आंदोलन की सक्रिय गतिविधियों में शामिल हो गए। हेमू समस्त विदेशी वस्तुओ का बहिष्कार करने के लिए लोगो से अनुरोध किया करते थे। शीघ्र ही सक्रिय क्रान्तिकारी गतिविधियों में शामिल होकर उन्होंने हुकुमत को उखाड़ फेंकने के संकल्प के साथ राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम के क्रियाकलापों में भाग लेना शूरू कर दिया। अत्याचारी फिरंगी सरकार के खिलाफ छापामार गतिविधियों एवं उनके वाहनों को जलाने में हेमू सदा अपने साथियों का नेतृत्व करते थे।

एक दिन गोपनीय सूत्रों से सिंध के क्रांतिकारियों को जानकारी मिली कि बलूचिस्तान में चल रहे उग्र आंदोलन को कुचलने के लिए 23 अक्टूबर,1942 की रात अंग्रेज सैनिकों, हथियारों व बारूद से भरी रेलगाड़ी सिंध के रोहिणी स्टेशन से रवाना होकर सक्खर शहर से गुजरती हुई बलूचिस्तान के क्वेटा नगर जाएगी। यह समाचार सुनकर सक्खर के 19 वर्षीय छात्र हेमू कालाणी ने रेलगाड़ी को गिराने का दायित्व अपने ऊपर लिया,जिसमें उनके साथ दो सहयोगी नंद और किशन भी थे। रेलगाड़ी गुजरने से पहले ही तीनों नवयुवक एक सुनसान स्थल पर पहुंचे।

हेमू कालाणी ने रिंच और हथौड़े की सहायता से रेल की पटरियों की फिशप्लेटों को उखाड़ना शुरू कर दिया। अन्य दो साथी निगरानी कर रहे थे। रात की निस्तब्धता में हथौड़ा चलाने की आवाजें दूर तक जा रही थीं। उसे सुनकर दूर गश्त कर रहे सिपाही दौड़कर आए। नंद और किशन तो वहां से भाग कर छिप गए,मगर हेमू कालाणी को उन्होंने पकड़ लिया। जेल में लाकर उन पर कोड़े बरसाए गए और उनसे दो सहयोगियों का नाम पूछा गया।

हेमू का हर बार यही उत्तर होता था, 'मेरे दो साथी थे–रिंच और हथौड़ा।' सक्खर की मार्शल ला कोर्ट ने देशद्रोह के अपराध में 19 वर्ष कुछ माह होने के कारण हेमू कालाणी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अनुमोदन के लिए निर्णय हैदराबाद (सिंध) स्थित सेना मुख्यालय के प्रमुख अधिकारी कर्नल रिचर्डसन के पास भेजा गया। ब्रिटिशराज का खतरनाक शत्रु करार देते हुए कर्नल रिचर्डसन ने हेमू कालाणी की सजा को फांसी में बदल दिया। फाँसी के दिन, हेमू से पूछा गया कि क्या उनकी कोई आखिरी इच्छा है, तो उन्होंने जवाब दिया कि वे नारे लगाते हुए फाँसी की सीढ़ियाँ चढ़ना चाहते हैं और चाहते हैं कि वहाँ मौजूद सरकारी अधिकारी भी इन नारों का जवाब जोर से दें। हेमू के भाई के अनुसार, हेमू ने फाँसी के फंदे की ओर बढ़ते हुए ₹इंकलाब ज़िंदाबाद₹, ₹यूनियन जैक मुदार्बाद₹ और ₹वंदे मातरम₹ के नारे लगाए। 21 जनवरी, 1943 को प्रातः सात बजकर 55 मिनट पर हेमू कालाणी को फांसी पर लटकाया गया था ।बताया जाता है कि हेमू ने 'इंकलाब-जिंदाबाद' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाते हुए खुद अपने हाथों से फंदा गले में डाला,मानो फूलों की माला पहन रहे हों। मात्र 19 वर्ष की आयु में अमर शहीद हेमू कालाणी का प्राणोत्सर्ग सदैव याद रखा जाएगा।

हेमू कालाणी को भारत सरकार ने शहीद का दर्जा दिया और 1983 में उनके 60वें जन्मदिन और फांसी के 40 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक स्मारक डाक टिकट जारी किया। गर्व की बात है कि अमर शहीद हेमू कालाणी की याद में भारत सरकार की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1984 में डाक टिकट जारी की। उन्हें ₹सिंध का भगत सिंह₹ भी कहा जाता है । डाक टिकट के अनावरण समारोह में, हेमू की माँ जेठी बाई, भगत सिंह की माँ के साथ बैठी थीं, जो दो क्रांतिकारियों की माताओं के बीच एक बेहद मार्मिक बातचीत साबित हुई। भारत के अखबारों ने दोनों महिलाओं की एक तस्वीर प्रकाशित की, जिसका शीर्षक था, ₹सिंध माता और पंजाब माता।₹ सूमरो की हेमू के भाई से हुई बातचीत के अनुसार, भगत सिंह की माँ ने जेठी बाई से कहा, ₹आपका बेटा मेरे बेटे से भी महान है क्योंकि उसने अपनी कोमल जवानी मातृभूमि के लिए कुर्बान कर दी।₹

21 अगस्त 2003 में सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सुरेश केसवानी के अथक प्रयास से भारत के संसद भवन में हेमू कालाणी की आदम कद की प्रतिमा का तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवानी, सोनिया गांधी, मनमोहन सिंह खुराना, लोकसभा अध्यक्ष मुरली मनोहर जोशी जैसे वरिष्ठ राजनेताओं की उपस्थिति में स्थापित की गई। देश की सडकों का नामकरण, धर्मशालाएं, कालोनियां, स्कूल आदि हेमू कालाणी के नाम पर रखे गए। दिल्ली में हेमू कलानी यादगार मंडल की स्थापना की गई और आज यह महिलाओं के लिए एक महाविद्यालय के रूप में कार्य करता है। इसके अतिरिक्त, उल्हासनगर में व मुंबई के चेम्बूर में एक सार्वजनिक चौक का नाम हेमू के नाम पर रखा गया है और भारत के विभिन्न शहरों में एक दर्जन से ज्यादा सड़कें और शैक्षणिक संस्थान उनके नाम पर हैं।

1943 में, जब नेहरू कराची आए थे , तो उन्होंने विशेष रूप से सुक्कुर का दौरा किया और हेमू की माँ से मिलकर उन्हें सांत्वना दी। सुभाष चंद्र बोस की आजाद हिंद फौज के कैप्टन गुरबख्श सिंह ढिल्लों ने जेठी बाई को उनके बेटे के बलिदान के सम्मान में एक स्वर्ण पदक प्रदान किया । लेकिन अफसोस अपने ही जन्मस्थान सुक्कुर (अब पाकिस्तान) में उन्हें सार्वजनिक मान्यता नहीं मिल पाई है।अपनी धरती का इतिहास पढ़ते समय, पाकिस्तानियों को हेमू कलानी के कारनामों और सिंध में ब्रिटिश शासन के विरुद्ध प्रतिरोध आंदोलन में उनके योगदान के बारे में नहीं पढ़ाया जाता। यह ऐतिहासिक बहिष्कार हमारे सामूहिक अतीत के कुछ तत्वों को मिटाने की उत्सुकता को भी दशार्ता है। यह प्रवृत्ति हाल ही में पूरी तरह से स्पष्ट हुई जब सुक्कुर में सिंधु नदी के तट पर स्थित हेमू कलानी पार्क का नाम बदलकर अरब विजेता के नाम पर मुहम्मद बिन कासिम पार्क कर दिया गया।

क्या वाकई स्वतंत्र हैं हम?

लालशेखर सिंह ब्युरो

(स्वतंत्रता दिवस पर विशेषांक)

हर वर्ष मनाते हैं हम स्वतंत्रता दिवस। किसलिए? एक अनसुलझा-सा प्रश्न मुझे भीतर से बहुत बेचैन करता है। एक विशेष समुदाय की हठधर्मिता और अविवेक के कारण भारत देश के तीन टुकड़े होने के बाद, जो सबसे बड़ा भू-भाग हमें प्राप्त हुआ, उससे दुनिया ने जाना कि हिंदुस्तान आजाद हुआ। उस समय हमारे देश की वे विभूतियां, जो इस निर्णय से सन्तुष्ट थीं, उन्होंने कहा कि हम अपना संविधान स्वयं बनाएंगे। उन्होंने संविधान तो बनाया, लेकिन प्रशासन करने का कोई नया तंत्र नहीं बनाया। ऐसा तंत्र, जो मौलिक हो, जो स्वतंत्र मानसिकता का प्रतिबिम्ब हो और जो भारतीय संस्कृति एवं धर्म के अनुरूप हो। पुलिस तंत्र हो या प्रशासनिक तंत्र, आयकर हो या विक्रीकर तंत्र, न्यायतंत्र हो या शिक्षा की प्रणाली, उन सबमें छिटपुट बदलाव के अतिरिक्त सब कुछ वही रहा, जो अंग्रेज छोड़कर गए थे। कहने का तात्पर्य यह है कि गुलामी की व्यवस्था वैसी की वैसी रही, जैसी अंग्रेज हमें गुलाम रखने के लिए क्रियान्वयन में लाते थे।

जब कहा, स्वतंत्र देश, तो फिर इस देश में अंग्रेजों द्वारा बनाए गुलामी के कानून और नियमों के जटिल बन्धन आज तक क्यों बरकरार हैं? उदाहरण के लिए, शिक्षातंत्र को ले लीजिए। यदि हम वैदिक शिक्षा की ओर ध्यान दें, तो वहाँ शिक्षा का मूल अभिप्राय छात्र को स्वयं के प्रति, साथ ही समाज और देश के प्रति जागरूक बनाना था। पहले स्वयं का बोध, फिर विद्वत्ता और विज्ञान का बोध और अन्त में जीविकापार्जन के लिए सामाजिक क्षेत्रों में व्यावसायिक शिक्षा का ज्ञान। उस शिक्षा का उद्देश्य केवल प्रोफेसनल बनाना नहीं था, अपितु उसका उद्देश्य व्यक्ति में मानवता के संकुल गुणों को विकसित करना होता था। वहाँ जोर था, *अज्ञान से मुक्ति तथा ज्ञान-विज्ञान-बोध से युक्ति*।

आज जो शिक्षा है, उसमें व्यक्ति लिख-पढ़ जाता है, कुशल प्रोफेसनल बन जाता है, लेकिन उसमें स्वयं, देश और समाज के प्रति जागरूकता का अभाव है। इस शिक्षा से व्यक्ति को न तो स्वयं का बोध होता है और न ही उसके भीतर देश और समाज के प्रति जागरूकता का उदय होता है। यह शिक्षा उसे अज्ञान और संकीर्ण स्वार्थ से रंग देती है। जैसा अंग्रेज चाहते थे, ठीक वैसा, वही गुलामी। आज के कॉरपोरेट जगत में अतिशिक्षित लोग ऐसे ही गुलाम बन गए हैं। शारीरिक गुलामी हो या न हो, लेकिन उनमें मानसिक दासता अवश्य भर गई है। क्या ऐसे तंत्र के लिए स्वतंत्र हुए थे हम?

यही बात सरकार द्वारा लगाए करों पर लागू होती है। प्रशासन में बैठे नेता कहते हैं कि रामराज्य लाएंगे। जानना चाहता हूँ कि क्या राम के राज्य में राजा द्वारा मनमाने कर लगाकर निर्धन जनता को लूटा जाता था? हमारे धर्मग्रंथ महाभारत में राजा द्वारा जनता से *षड्भागमुपयुन्जन्यः प्रजा, आय का षष्ठ भाग कर के रूप में प्राप्त करने का प्रावधान है, न कि मनमाने कर लगाकर जनता से धन बसूलने का। यदि जनता के ऊपर शुल्क और करों के रूप में पूरा का पूरा या उससे अधिक शुल्क एवं दण्ड के रूप में धन छीनने का प्रावधान हो, तो यह तो डाकूगिरी हुई, राज्य द्वारा स्वतंत्ररूप से खुल्लम-खुल्ला लूट हुई। यह स्वतंत्र होना कहाँ हुआ?

गहरे मन्थन की जरूरत है। मूलभूत बदलाव लाने होंगे। दासता की मानसिकता से उत्पन्न संविधान और प्रशासनिक व्यवस्था में क्रान्ति लानी होगी। हमें संसद और मंत्रिमण्डल में बाहुबलियों और अविवेकी लोगों की जरूरत नहीं है। हमें चाहिए वह संविधान, जो प्रबुद्ध लोगों को, प्रबुद्ध लोगों द्वारा चुनकर संसद में भेजे। भीड़तंत्र से जनप्रतिनिधि चुननेवाली व्यवस्था को निरस्त करना होगा। तभी सच्ची स्वतंत्रता उपलब्ध होगी।

जहाँ केवल चेहरे बदले हों, संविधान और प्रशासनिक तंत्र में आमूल परिवर्तन न हुए हों, तो क्या ऐसी गुलामी की व्यवस्था को स्वतंत्र होना कहा जा सकता है? आज की व्यवस्था में ऊपर के बदलाव तो देखे जा सकते हैं, लेकिन भीतर कुछ भी नहीं बदला है। लोग शिक्षित हों या अशिक्षित, धनवान हों या निर्धन, उनके भीतर दासता का अंश ज्यों का त्यों है।

चाहिए जनक जैसा राजा, जिसके पास विशाल और ताकतवर सेना न होते हुए भी त्रिलोक विजेता रावण उसके राज्य पर तिरछी नजर उठाकर देखने की हिम्मत न कर सका। चाहिए राम जैसा तपस्वी राजा, जिसने चुनौती मिलने पर रावण जैसे महान शक्तिशाली राजा को उसके घर में घुसकर उसका और उसके समूचे वंश को नष्ट कर दिया। चाहिए कृष्ण जैसा राजा, जिसने धर्म का परचम फहराने के लिए शस्त्र से नहीं, कूटनीति से विरोधियों को धूल चटा दी। ऐसे शासकों के राज्य में ही सच्ची स्वतंत्रता का अनुभव होता है, न कि दंभ भरनेवाले भीरु, भ्रष्ट और अयोग्य नेताओं के प्रशासन में।

स्वतंत्रता का अधूरा आलाप

-प्रियंका सौरभ

15 अगस्त 1947 को हमने विदेशी शासन की बेड़ियों को तोड़ दिया था। तिरंगे की फहराती लहरों में वह रोमांच था, जो सदियों की गुलामी और अत्याचार के बाद जन्मा था। हर चेहरे पर एक ही उम्मीद थी–अब अपना देश अपनी मजी से चलेगा, अब हर नागरिक को बराबरी का हक मिलेगा, अब हम अपने भविष्य के निमार्ता होंगे। लेकिन आजादी के 78 साल बाद यह सवाल कचोटता है–क्या वह सपना पूरा हुआ?

आज हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं, हमारी अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है, विज्ञान और तकनीक में नए मुकाम हासिल हो रहे हैं। मेट्रो ट्रेन, डिजिटल पेमेंट, सैटेलाइट मिशन और वैश्विक मंच पर बढ़ता प्रभाव हमें गर्व से भर देता है। लेकिन इस चमक के पीछे एक सच छुपा है–हमारी आजादी अब भी अधूरी है। यह अधूरापन केवल गरीबी या बेरोजगारी का नहीं, बल्कि सोच, व्यवस्था और व्यवहार में गहरे बैठी असमानताओं का है। हमारे यहां लोकतंत्र का मतलब अक्सर सिर्फ. चुनाव रह गया है। हर पाँच साल में वोट डालने को ही हम अपनी भागीदारी मान लेते हैं, लेकिन उसके बाद नेता और जनता के बीच एक अदृश्य दूरी बन जाती है। जनता शिकायत करती है, सरकार सफाई देती है, और इसी बहाने असली मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। आजादी का असली मतलब यह है कि सत्ता का केंद्र नागरिक हो, और उसकी आवाज सिर्फ. चुनावी भाषणों में नहीं, नीतियों और फैसलों में भी सुनी जाए।

हम तकनीक के युग में जी रहे हैं। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने बोलने की आजादी को अभूतपूर्व विस्तार दिया है। लेकिन इसी आजादी का दुरुपयोग भी बढ़ा है–झूठी खबरें, नफरत फैलाने वाले संदेश, और डिजिटल विभाजन ने समाज में नई खाइयाँ बना दी हैं। आजादी तभी सार्थक है जब अभिव्यक्ति जिम्मेदारी के साथ हो, और डिजिटल स्पेस का इस्तेमाल जागरूकता और प्रगति के लिए किया जाए, न कि भड़काने और बांटने के लिए। आर्थिक मोर्चे पर भारत ने लंबी दूरी तय की है, लेकिन यह सफर सबके लिए एक जैसा नहीं रहा। एक ओर हम अरबपतियों की संख्या में दुनिया में आगे हैं, तो दूसरी ओर करोड़ों लोग अब भी रोजगार, भोजन और इलाज के लिए संघर्ष कर रहे हैं। महानगरों की ऊँची-ऊँची इमारतों की छाया में झुग्गियों की ज़िंदगी किसी को दिखाई नहीं देती। सच्ची आर्थिक स्वतंत्रता का मतलब है कि हर नागरिक को अपनी मेहनत के दम पर जीवन सुधारने का अवसर मिले, और बुनियादी जरूरतों के लिए वह किसी के रहम पर न हो। सामाजिक स्तर पर भी चुनौतियाँ कम नहीं हैं। जाति, धर्म और लिंग के आधार पर भेदभाव आज भी हमारे समाज में गहराई से मौजूद है। महिलाओं को शिक्षा, रोजगार और सुरक्षा में बराबरी का अधिकार कागजों पर है, लेकिन हकीकत में वे आज भी असमान अवसरों और हिंसा का सामना करती हैं। यह विडंबना है कि एक ओर हम मंगल पर पहुँचने की तैयारी कर रहे हैं, और दूसरी ओर लड़कियों की शिक्षा को बोझ समझने वाले विचार अब भी जिंदा हैं।

शिक्षा आजादी की असली नींव है। लेकिन हमारे यहां शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच दोनों में भारी असमानता है। महानगरों के निजी स्कूल और ग्रामीण इलाकों के जर्जर सरकारी स्कूल एक ही देश के हिस्से हैं, लेकिन दोनों की दुनिया अलग है। बिना मजबूत और समान शिक्षा व्यवस्था के हम एक जागरूक और सक्षम नागरिक समाज नहीं बना सकते, और बिना ऐसे समाज के लोकतंत्र भी मजबूत नहीं हो सकता।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी हालात चुनौतीपूर्ण हैं। कोविड-19 महामारी ने हमारी व्यवस्था की कमजोरियों को उजागर कर दिया। बड़े-बड़े अस्पताल शहरों में हैं, लेकिन छोटे कस्बों और गांवों में बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं भी सपना हैं। स्वतंत्रता का मतलब यह भी है कि कोई नागरिक इलाज की कमी से अपनी जान न गंवाए, और स्वास्थ्य सेवाएं केवल पैसे वालों के लिए न हों।

आज के दौर की सबसे बड़ी चुनौती है–मानसिक गुलामी। हम में से कई लोग आज भी परंपराओं, अंधविश्वासों और पूर्वाग्रहों की जंजीरों में बंधे हैं। बदलाव को अपनाने के बजाय हम अक्सर उसे खतरा मान लेते हैं। असली आजादी तब होगी जब हम सोचने, सवाल पूछने और नई राह अपनाने से नहीं डरेंगे। पर्यावरण संकट भी हमारी स्वतंत्रता से जुड़ा हुआ मुद्दा है। अगर हवा, पानी और मिट्टी जहरीली होती जाएगी, तो नागरिक का स्वस्थ जीवन जीने का अधिकार भी खोखला हो जाएगा। विकास और पर्यावरण संतुलन के बीच सामंजस्य बैठाना आज के भारत के लिए अनिवार्य है। स्वतंत्रता केवल अधिकार लेने का नाम नहीं, बल्कि कर्तव्य निभाने का भी है। हम ट्रैफिक सिग्नल तोड़ते हैं, टैक्स चोरी करते हैं, सफाई की अनदेखी करते हैं, और फिर भ्रष्टाचार व अव्यवस्था पर सवाल उठाते हैं। अगर नागरिक अपने कर्तव्य निभाने में ईमानदार नहीं होंगे, तो शासन भी ईमानदार नहीं हो सकता। भारत की ताकत उसकी विविधता है। लेकिन यही विविधता हमारे लिए खतरा भी बन सकती है, अगर हम एक-दूसरे को केवल जाति, धर्म या भाषा के चश्मे से देखें। आज के दौर में हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि हम एक-दूसरे की पहचान का सम्मान करें और मतभेदों को दुश्मनी में न बदलने दें।

अब वक्त है कि हम स्वतंत्रता को केवल ऐतिहासिक घटना की तरह न मनाएं, बल्कि इसे एक सतत जिम्मेदारी की तरह जिएं। यह जिम्मेदारी सिर्फ. सरकार की नहीं, हर नागरिक की है। हमें राजनीति में पारदर्शिता, न्यायपालिका में स्वतंत्रता, मीडिया में निष्पक्षता और समाज में समानता सुनिश्चित करनी होगी। आज के भारत को ऐसी स्वतंत्रता चाहिए जिसमें हर बच्चा बिना डर और भेदभाव के स्कूल जाए, हर युवा को अपनी मेहनत के दम पर अवसर मिले, हर महिला सुरक्षित महसूस करे, हर बुजुर्ग को सम्मान और देखभाल मिले, और हर नागरिक अपने विचार स्वतंत्र रूप से व्यक्त कर सके। यही वह भारत होगा जिसके लिए हमारे पूर्वजों ने बलिदान दिया था। राजनीतिक आजादी हमारी यात्रा की शुरूआत थी, लेकिन मंज़िल अभी बाकी है। जब तक हम असमानता, भेदभाव, गरीबी, और अज्ञानता को खत्म नहीं करेंगे, तब तक हमारी स्वतंत्रता का आलाप अधूरा ही रहेगा। इस अधूरेपन को पूरा करना हमारी पीढ़ी की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है–क्योंकि आने वाले भारत की पहचान हमारे आज के फैसलों से तय होगी।

वीरांगना झलकारी बाई: झांसी की शेरनी का अद्भुत साहस

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में कई ऐसे नाम हैं जो वीरता, साहस और बलिदान के पर्याय बन गए। इनमें से कुछ नाम इतिहास के पन्नों पर चमकते रहे, तो कुछ धुंधले हो गए। वीरांगना झलकारी बाई का नाम उन गिने-चुने योद्धाओं में है, जिन्होंने अपने साहस से ब्रिटिश साम्राज्य को चुनौती दी। वे रानी लक्ष्मीबाई की सेना की एक महत्वपूर्ण योद्धा थीं और 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में उन्होंने जो अद्भुत भूमिका निभाई, वह आज भी प्रेरणा का स्रोत है।

झलकारी बाई का जन्म 22 नवंबर 1830 को उत्तर प्रदेश के झांसी के पास भोजला गाँव में एक गरीब कोरी परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम सडलामल और माता का नाम जमुना देवी था। बचपन में ही उनकी माता का निधन हो गया जिससे वे पिता के सानिध्य में पली-बढ़ीं। बचपन से ही झलकारी बाई में असाधारण साहस और जिजीविषा थी। वे ग्रामीण जीवन के कठिन कार्यों में निपुण थीं–खेतों में काम करना, पशुओं की देखभाल करना, और साथ ही घुड़सवारी तथा हथियार चलाना सीखना।ग्रामीण वातावरण और पिता की प्रेरणा ने उनके भीतर एक योद्धा-स्वभाव का निर्माण किया। कहा जाता है कि बचपन में ही उन्होंने जंगल में शेर का सामना किया था और बिना भय के उसे खदेड़ दिया था।

झलकारी बाई का विवाह झांसी की सेना में कार्यरत एक बहादुर सैनिक पूरन कोरी से हुआ। विवाह के बाद वे झांसी आ गईं। पूरन कोरी के माध्यम से झलकारी बाई का परिचय रानी लक्ष्मीबाई से हुआ। रानी ने जब उनकी घुड़सवारी, तलवारबाजी और अदम्य साहस देखा, तो वे अत्यंत प्रभावित हुईं।

रानी लक्ष्मीबाई और झलकारी बाई में एक अद्भुत समानता थी–दोनों ही अत्याचार के खिलाफ बगावत का जज्बा रखती थीं और दोनों ही युद्ध कौशल में निपुण थीं। इसी कारण रानी ने उन्हें अपनी सेना में एक प्रमुख स्थान दिया।

झलकारी बाई केवल एक सैनिक नहीं, बल्कि दुर्गा दल नामक महिला सेना की कमांडर बनीं। यह दल पूरी तरह से महिलाओं से बना था और किले की सुरक्षा से लेकर युद्ध के मोर्चे तक, हर जगह सक्रिय रहता था। झलकारी बाई की विशेषता यह थी कि वे रानी लक्ष्मीबाई की तरह दिखती थीं–चेहरे की बनावट, कद-काठी, और पहनावे में काफी समानता थी। यह समानता आगे चलकर ब्रिटिश सेना को चकमा देने में निर्णायक साबित हुई। 1857 में भारत के कई हिस्सों में अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ विद्रोह की लपटें उठीं। झांसी में भी स्थिति तनावपूर्ण थी। रानी लक्ष्मीबाई ने झांसी की सुरक्षा के लिए मोर्चा संभाला। अंग्रेजों ने जब झांसी को घेर लिया, तो किला चारों ओर से संकट में आ गया। युद्ध भयंकर था। ब्रिटिश सेना के पास आधुनिक हथियार और तोपखाने थे, जबकि झांसी की सेना मुख्यतः परंपरागत हथियारों से लड़ रही थी। ऐसे समय में झलकारी बाई और उनके दल ने अद्भुत साहस दिखाया। जब अंग्रेजों का दबाव बढ़ा और रानी लक्ष्मीबाई को किले से बाहर निकलकर अन्य क्रांतिकारियों के साथ जुड़ने की आवश्यकता हुई, तब झलकारी बाई ने एक ऐतिहासिक निर्णय लिया। उन्होंने रानी के वेश में युद्ध के मैदान में उतरकर अंग्रेजों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया।

ब्रिटिश सेना यह समझने लगी कि वे रानी लक्ष्मीबाई को पकड़ चुके हैं। इस दौरान असली रानी सुरक्षित रूप से किले से बाहर निकल गईं। झलकारी बाई ने अपनी पहचान छुपाए रखते हुए तब तक युद्ध किया, जब तक कि रानी पूरी तरह सुरक्षित न हो गईं।

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई...!

डॉ उत्तम कुमार गुप्ता

एम.बी.बी.एस., एम.डी. (न्यूरो साइकियाट्रिस्ट)
Ex. Ass. Professor- UCMS

परामर्श का दिन व समय
प्रातः 09 बजे से सायं 08 बजे तक
रविवार- प्रातः 08 बजे से प्रातः 10 बजे तक
सायं 06 बजे से रात्रि 08 बजे तक भदोही का
पता- मनोरोग सेन्टर चौरी रोड ब्लाक के सामने, भदोही
(प्रत्येक रविवार- प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक)

मंगल क्लीनिक
वाजिदपुर तिराहा, जौनपुर
मो0- 9196128735
9307913300, 9026405011

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई...!

डा. लाल बहादुर सिद्धार्थ

M.B.B.S., M.S. Surgery, F.I.M.S.A., M.I.A.G.E.S.
SR. (Gastro Surgery,) M.I.M.S.A., F.A.I.S., F.I.C.S.

न्यू हेरिटेज
सिद्धार्थ हास्पिटल
मल्टी स्पेशियलिटी साइंस एवं रिसर्च सेन्टर

आयुष्मान
भारत योजना के अन्तर्गत
के अन्तर्गत 5 लाख तक का नि:शुल्क उपचार
गोल्डेन कार्ड प्रतिदिन बनता है
गोल्डेन कार्ड प्रतिदिन बनता है

मो.नं.: 9415315405, 9598725959, 9838259535
सुन्दरनगर उमरपुर हरिबंधनपुर, (निकट मैहर देवी मंदिर) जनपद जौनपुर

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई...!

आरिफ खान
नगर कांग्रेस अध्यक्ष
जनपद, जौनपुर

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई...!

शाहनवाज मंजूर
सभासद
रौजा अर्जन वार्ड न0 17
बड़ी मस्जिद जनपद- जौनपुर

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई...!

लाइफ डेन्टल केयर फ्रेक्चर
एण्ड ट्रामा सेन्टर
9454600007, 9389460753
मो0 हसन कॉलेज के बगल में, शाहगंज पड़ाव, जौनपुर

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई...!

EDUCATION FOR EQUALITY
ELEGANCE & EXCELLENCE

Dr. RIZVI LEARNERS' ACADEMY
(10+2 Affiliated to C.B.S.E., New Delhi)

Station Road, Jaunpur
8471076021, 9208038304, 7080205269

Ruchi Sharma
Principal

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई...!

विकास देव मिश्रा

निकट- साजिदा गर्ल्स मार्ग, मोहल्ला शेख मुहामिद वार्ड
न0 38 जनपद- जौनपुर

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई...!

बुआ जी हास्पिटल

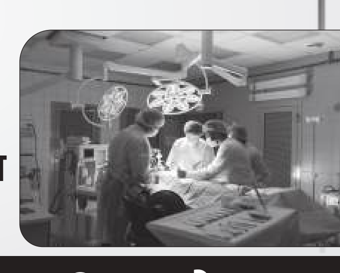

स्त्री रोग सम्बन्धित समस्त आपरेशन एवं डिलेवरी की सुविधा उपलब्ध
अत्याधुनिक सुविधा युक्त आपरेशन थियेटर
निकट-अहियापुर पावर हाउस, विशेषरपुर रोड, धरनीपुर, जौनपुर

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई...!

TV उत्तरशक्ति NEWS

डॉ. एस. के. मिश्र
ब्यूरो चीफ- उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक
जनपद- वाराणसी (उत्तर प्रदेश) 7007900665, 9450881734

सह-सम्पादक
डॉ. इम्तियाज अहमद सिद्दीकी
कार्यालय, निकट हुमा मस्जिद वार्ड नं0- 35 मुफ्ती मोहल्ला, थाना कोतवाली सदर
जनपद- जौनपुर पिन- 222001 (उ0प्र0)
www.uttarshaktinews.com | E-mail- uttarshaktijaunpur7066@gmail.com
YouTube UTTAR SHAKTI TV NEWS | 9695970605, 9044729299

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई...!

TV उत्तरशक्ति NEWS

मो0 आसिफ सिद्दीकी
आमिर टूर & ट्रेवल, मानीकलां
उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक- संवाददाता गुरैनी
थाना खेतासराय, जनपद- जौनपुर (उत्तर प्रदेश) 7860303530

सह-सम्पादक
डॉ. इम्तियाज अहमद सिद्दीकी
कार्यालय, निकट हुमा मस्जिद वार्ड नं0- 35 मुफ्ती मोहल्ला, थाना कोतवाली सदर
जनपद- जौनपुर पिन- 222001 (उ0प्र0)
www.uttarshaktinews.com | E-mail- uttarshaktijaunpur7066@gmail.com
YouTube UTTAR SHAKTI TV NEWS | 9695970605, 9044729299

शत्रुंज्य डाइंग एंड विविंग मिल्स कंपनी में हुई महिला कर्मचारी की मौत मामले में हुआ नया खुलासा

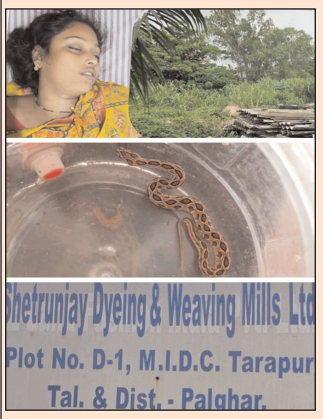

पालघर (उत्तर शक्ति)। पालघर जिला अंतर्गत बीबीतारापुर औद्योगिक क्षेत्र स्थित शत्रुंजय डाइंग एंड विविंग मिल्स लिमिटेड (प्लॉट नं. डी-1) में कार्यरत एक महिला कर्मचारी की पिछले दिनों जहरीले सांप के काटने से मौत हो गई। मृतका की पहचान अभिलाषा दीपक आचार्य (28 वर्ष), निवासी साईलोक नगर, गणेश नगर, बोईसर के रूप में हुई थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार अभिलाषा पिछले कुछ ही महीनों से कंपनी के पैकिंग विभाग में कार्यरत थी। ड्यूटी के दौरान अचानक एक जहरीला सांप घोणस (रसेल वाइपर) उसके पैर में डंस लिया। घटना के तुरंत बाद सहकर्मियों ने अभिलाषा को नजदीकी टीमा अस्पताल पहुंचाया, जहां से गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें वरद मल्टिस्पेशलिटी अस्पताल रेफर किया गया। दुर्भाग्यवश, इलाज के दौरान अभिलाषा ने दम तोड़ दिया था। इस मामले में हमारे संवाददाता द्वारा की गई पूछताछ में कंपनी प्रबंधन ने बताया कि पीड़ित परिवार द्वारा आर्थिक सहायता की मांग की गई थी, जिस पर कंपनी ने सिर्फ व सिर्फ 12 लाख रुपए की आर्थिक मदद देने की सहमति जताई है। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के अन्य आर्थिक सहायता का कोई वादा नहीं किया गया है। वहीं मृतका की माँ आरती झा द्वारा वेतन को लेकर लगाए गए आरोपों का खंडन करते हुए कंपनी ने स्पष्ट किया कि अभिलाषा कॉन्ट्रैक्ट बेसिस पर कार्यरत थी और उसका मासिक वेतन 15,500 रुपए निर्धारित था, जिसे प्रतिमाह ऑनलाइन के माध्यम से उसके बैंक खाते में भेज दिया जाता था। कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि मृतका का कोई वेतन बकाया नहीं है।

पूर्व नगरसेवक हरीश शुक्ला का निधन, उत्तर भारतीयों में शोक की लहर

मुंबई। घाटकोपर पश्चिम के असल्फा गांव के उत्तर भारतीय समाज में महत्वपूर्ण पैठ बना चुके कुशल, इमानदार, मृदुभाषी और जमीन से जुड़े नेता पूर्व नगरसेवक हरीश शुक्ला का बुधवार को निधन हो गया। वे पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। हरीश शुक्ला के निधन से उत्तर भारतीय समाज में शोक की लहर दौड़ पड़ी है।

बता दें कि शिवसेना के शाखाप्रमुख पद से अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत करने वाले हरीश शुक्ला कुर्ला एल वार्ड के अंतर्गत आने वाले वॉर्ड क्रमांक १६१ से निर्दलीय चुनाव लड़कर नगरसेवक बने थे। उत्तरभारतीय समाज में उनकी गहरी पैठ थी। यही वजह है कि पहली बार शुक्ला ने निर्दलीय चुनाव लड़कर नगरसेवक पद पर आसीन हुए थे। उसके बाद उनकी धर्म पत्नी लीना शुक्ला शिवसेना से एक बार नगरसेवक बनीं थी। उनका अंत्य संस्कार घाटकोपर के भटवाड़ी स्थित स्मशान भूमि में बुधवार की शाम को किया गया। हरीश शुक्ला के निधन पर चांदिवली विधानसभा के विधायक दिलीप मामा लांडे, पूर्व मंत्री नसीम खान सहित अनेक लोगों ने शोक व्यक्त किया है। शुक्ला के अंत्य संस्कार में भारी संख्या में लोग उपस्थित थे। अंत्य संस्कार में प्रमुख रूप से पूर्व नगरसेवक सीताराम तिवारी, पूर्व नगरसेवक किरण लांडगे, भाजपा नेता शुभ्रांशु दीक्षित,दीपनारायण मिश्र, प्रदीप बंड,वरिष्ठ समाज सेवक पंडित ओम शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार सूर्यप्रकाश दुबे, चंद्रभान चौबे, श्रीप्रकाश पांडे, गोविंद पांडे, वी. एस यादव, सादिक शेख, एस. पांडे, के. तिवारी, धनीराम सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित थे। पूर्व नगरसेवक हरीश शुक्ला के निधन पर हिंदी अखबार समाचार 9 के संपादक शाहिद जमाल खान ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि शुक्ला के सभी वर्गो में लोकप्रिय थे। गरीब हो या अमीर सभी के साथ एक जैसा व्यवहार किया करते थे। उनके निधन से असल्फा गांव में उत्तर भारतीय समाज का एक नेतृत्व चला गया। जिसकी पूर्ति नहीं हो सकती।

फोनपे ने ऑफलाइन पार्टनर प्रोग्राम लॉन्च किया

मुंबई। फोनपे ने आज अपना ऑफलाइन पार्टनर प्रोग्राम लॉन्च किया है। यह एक रणनीतिक पहल है, जिसका उद्देश्य सर्विस प्रोवाइडर्स के माध्यम से भारत के मर्चेंट ईकोसिस्टम को मजबूत बनाना है। इस प्रोग्राम के तहत पॉइंट ऑफ सेल बिलिंग सॉफ्टवेयर, एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग सॉफ्टवेयर, वेंडिंग मशीनें और सेल्फ-सर्विंग कियोस्क जैसी सेवाएं देने वाले सर्विस प्रोवाइडर्स अपने क्लाइंट्स को फोनपे के इंटीग्रेटेड सॉल्यूशंस के लिए रेफर कर सकते हैं और कस्टमाइज कमीशन प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रोग्राम से जुड़ने वाले सर्विस प्रोवाइडर (पार्टनर्स), अपने मर्चेंट्स (क्लाइंट्स) को पूरी बिलिंग और इंटीग्रेटेड पेमेंट सॉल्यूशन दे पाएंगे। इससे वे सिर्फ सर्विस प्रोवाइडर ही नहीं, बल्कि उनके बिजनेस को बढ़ाने वाले सच्चे पार्टनर के रूप में पहचाने जाएंगे। यह सुविधा मर्चेंट्स के लिए पेमेंट मैनेजमेंट को बेहद आसान बनाएगी, जिससे उनके स्टोर का रोजमर्रा काम आसानी से चलता रहेगा। साथ ही, यह पार्टनर की एक भरोसेमंद व्यावसायिक साथी के रूप में पहचान और विश्वसनीयता बढ़ाने में भी मदद करेगा। मर्चेंट्स अपने मौजूदा बिलिंग सॉफ्टवेयर के साथ कुछ ही घंटों में फोनपे के इंटीग्रेटेड सॉल्यूशंस को जोड़ सकते हैं और अपने ग्राहकों को तेज, आसान और शानदार पेमेंट एक्सपीरियंस दे सकते हैं। इस पैकेज में ढडर मशीनें, हर ट्रांजेक्शन पर यूनिक कोड जनरेट वाले डायनेमिक दफ और स्टर से पेमेंट लिंक भेजने की सुविधा जैसी सेवाएं शामिल हैं।

मुंबई के रियल एस्टेट ब्रोकरों को पुरानी अव्यवस्थित व्यवस्था से आजादी दिलाएगा विल वाल ग्लोबल

मुंबई। जैसे देश 15 अगस्त को आजादी का जश्न मनाने की तैयारी कर रहा है, वैसे ही विल वाल ग्लोबल मुंबई के रियल एस्टेट ब्रोकरों के लिए एक नई आजादी लेकर आ रहा है। ऐसी आजादी जो उन्हें शहर के असंगठित, अपारदर्शी और समय बर्बाद करने वाले पुराने तौर-तरीकों से मुक्त करेगी। मुंबई का रियल एस्टेट क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ है। यहां 80% से अधिक सौदे छोटे और स्वतंत्र ब्रोकर करते हैं। 50,000 से ज्यादा पंजीकृत एजेंट हैं, लेकिन इनमें से केवल 15% ही संगठित कंपनियों के तहत काम करते हैं। नतीजतन, इस क्षेत्र में सेवा का स्तर असमान रहता है, कई काम अपारदर्शी ढंग से होते हैं और कानूनी पालन में कमी से हर साल संभावित सौदों की 20% तक कीमत घट जाती है। रेरा कानून ने नियम-कायदों में अनुशासन और पंजीकरण को बढ़ाया है।

70 साल की रुकावट, 10 साल की रफ्तार- मोदी युग में बदलता भारतः प्रो डॉ दयानंद तिवारी

प्रेम चंद मिश्रा

मुंबई - (उत्तर शक्ति)। भारत को 15 अगस्त 1947 को आजादी मिली। यह दिन हमारे इतिहास का स्वर्णिम अध्याय था, लेकिन इसके बाद के सात दशकों में कांग्रेस के लंबे शासन ने देश को उसके सामर्थ्य तक पहुँचाने का अवसर खो दिया। सत्ता के मोह, वंशवाद, तुष्टिकरण और गलत प्राथमिकताओं के कारण भारत वह छलांग नहीं लगा सका, जो आजादी के तुरंत बाद आवश्यक थी।

दुनिया आगे बढ़ी, हम पीछे रह गए जब जापान, इटली, फ्रांस, और अमेरिका युद्ध की विभीषिका से उठकर हथियार, इलेक्ट्रॉनिक्स, स्वास्थ्य सेवाओं और आधुनिक तकनीक में महाशक्ति बनते गए, तब भारत में हर चौराहे पर गांधी, नेहरू, इंदिरा और अंबेडकर की मूर्तियां लगाने पर जोर रहा। केवल गांधी परिवार की 18,000 से अधिक मूर्तियां देश में स्थापित की गईं, जिन पर लगभग 31 अरब रुपये से अधिक खर्च हुआ। जब जापान, भारत से बाद में आजाद होकर, बुलेट ट्रेन बना रहा था, तब भारत में सत्ता के लिए आपातकाल लगाकर लोकतंत्र की हत्या हो रही थी। यह वही समय था जब जनता के मौलिक अधिकार छीन लिए गए और देश भय के वातावरण में जी रहा था।

स्वास्थ्य और शिक्षा–खोए हुए अवसर नेहरू जी अक्सर जिस एकमात्र एम्स को अपनी उपलब्धि बताते थे, वह उनकी पहल नहीं, बल्कि तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री राजकुमारी अमृत कौर का योगदान था। बड़े अस्पतालों के नाम पर कांग्रेस ने 70 साल तक शोर मचाया, लेकिन अधिकतर शहरों में ये निजी संस्थानों या राज्य सरकारों के प्रयासों से बने।

गांवों की हालत और भी खराब थी। आजादी के दशकों बाद भी अनगिनत गाँवों में सड़क, बिजली, बस, बैंक, एटीएम, अस्पताल और आधुनिक स्कूल जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं पहुंचीं।

शिक्षा में भी दृष्टि का अभाव रहा। जब देश को लाखों डॉक्टर और इंजीनियर की आवश्यकता थी, तब 18% आरक्षण-आधारित चयन पर अधिक ध्यान देकर, योग्यता और प्रतिभा का पलायन तेज कर दिया गया। आज अमेरिका में 35% से अधिक डॉक्टर, 40% इंजीनियर और 30% वैज्ञानिक भारतीय मूल के हैं–यह गौरव तो है, पर कटु सत्य भी कि इनकी प्रतिभा का लाभ भारत

को नहीं मिला। तुष्टिकरण और वंशवाद का जाल कांग्रेस के लंबे शासनकाल में तुष्टिकरण, जातिवाद, भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार ने देश की जड़ों को खोखला किया। हिंदू समाज को बांटने, झूठा इतिहास पढ़ाने और मुस्लिम परस्त राजनीति करने से राष्ट्रहित पीछे छूट गया। हर योजना, स्टेडियम, और पुरस्कार का नाम गांधी-नेहरू परिवार पर रखने से राष्ट्रीय चेतना एक परिवार तक सीमित कर दी गई। 2014– परिवर्तन का प्रारंभ 2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनी और भारत की विकास गाथा ने नई रफ्तार पकड़ी। यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं था, बल्कि सोच, दृष्टि और प्राथमिकताओं में क्रांतिकारी बदलाव था।शिक्षा और स्वास्थ्य में मोदी सरकार की उपलब्धियां (2014-2024) 2014 में 16 - अब 23 (6 नए, और ISM धनबाद को IIT में अपग्रेड)। -IIMs: 2014 में 13 - अब 20 (7 नए स्थापित)।-AIIMS: 2014 में 1 - अब 22 को मंजूरी, 18 सक्रिय, शेष निमार्णाधीन। -मेडिकल कॉलेजः 2014 में 380-387- अब 731 (262 नए मेडिकल कॉलेज स्थापित)। अन्य प्रमुख सुधार - साइबर क्रांति : डिजिटल इंडिया ने गाँव-गाँव इंटरनेट और मोबाइल कनेक्टिविटी पहुंचाई। -बुनियादी ढांचा : सड़कों, रेलवे, बिजली, स्वच्छ जल आपूर्ति में ऐतिहासिक निवेश।-स्वास्थ्य : आयुष्मान भारत योजना से करोड़ों परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा कवच।-आत्मनिर्भर भारत : रक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स और औद्योगिक क्षेत्रों में स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा।-कृषि सुधार : सिंचाई, बीज-तकनीक और किसानों की आय वृद्धि पर ध्यान।अगर यह पहले होता।सोचिए, यदि आजादी के बाद से ही यही विकास दृष्टि अपनाई गई होती, तो भारत 21वीं सदी की शुरूआत में ही विकसित देशों की कतार में होता। हमारे गाँव पहले ही समृद्ध हो जाते, हर नागरिक को समान अवसर मिलता और दुनिया की प्रतिभा भारत की ओर आकर्षित होती।

काशी विश्वनाथ मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की जोरदार तैयारी

भायंदर। वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर की तर्ज पर आरएनपी पार्क, भायंदर पूर्व में बनाए गए श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर जोरदार तैयारी चल रही है। 15 अगस्त को शाम 8 बजे से रात 2 बजे तक चलने वाले कार्यक्रम में भजन संध्या और प्रसाद वितरण का कार्यक्रम रखा गया है। इस मंदिर का निर्माण प्रख्यात समाजसेवी तथा राहुल एजुकेशन के चेयरमैन पंडित लल्लन तिवारी ने अपने माता-पिता की स्मृति में कराया था। काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी पुरुषोत्तम पांडे तथा श्री राम मानस प्रचार समिति के अध्यक्ष श्रीराम दुबे ने लोगों से यहां आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी में शामिल होने की अपील की है।

भाजपा द्वारा 'घर-घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजनः अपर्णा पाटिल

वसई रोड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से आरंभ किए गए 'घर-घर तिरंगा' अभियान को आगे बढ़ाते हुए, भाजपा वसई रोड मंडल ने स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया। यह यात्रा वसई विधानसभा की लोकप्रिय विधायक स्नेहाताई दुबे पंडितजी और जिला अध्यक्ष प्रज्ञाताई पाटिल के मार्गदर्शन में संपन्न हुई।

इस आयोजन में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और सैकड़ों देशभक्त नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों के साथ राष्ट्रप्रेम का उद्घोष किया।इस अवसर पर वसई विरार जिला भाजपा महामंत्री बीजेंद्रकुमार, वसई रोड मंडल

अध्यक्ष महेश सर्वणकर, महिला मोर्चा की प्रदेश सचिव श्रीमती अपर्णा पाटिल, जिला सह-संयोजक (तिरंगा यात्रा) श्रीमती कंचन झा, मंडल महामंत्री दीपक शर्मा, सुरेश प्रजापति, चेतन पागी और अर्जुन इंगोले प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। तिरंगा यात्रा भाजपा केंद्रीय कार्यालय से प्रारंभ होकर वसई मानिकपुर रोड से होते हुए नवघर नगर निगम कार्यालय के समक्ष संपन्न हुई। पूरे मार्ग में देशभक्ति का उत्साह, नागरिकों की भागीदारी और तिरंगे की लहराती शान ने वातावरण को देशप्रेम से ओतप्रोत कर दिया। यह आयोजन न केवल देश की एकता और अखंडता का प्रतीक बना, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी जी की दूरदर्शिता और 'हर घर तिरंगा' की भावना को जन-जन तक पहुँचाने का एक सशक्त माध्यम भी साबित हुआ।

पालघर कांग्रेस ने दिखाया राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस का वोट चोरी पर बना वीडियो

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने वोट चोरी कार्यक्रम आयोजित कर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा जारी वोट चोरी पर आधारित वीडियो देखा। ज्ञात हो कि इस वीडियो में राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि किस तरह से देशभर में वोटों की चोरी की जा रही है और यह लोकतंत्र के लिए गम्भीर खतरा बताया। वीडीओ शो में पालघर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रफुल पाटील, पालघर तहसील कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश अधिकारी, जिला व तहसील के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। वीडियो देखने के बाद कांग्रेसजनों ने कहा कि इस विषय पर सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओ को जागरूक रहना आवश्यक है ताकि मतदाता सूचियों की अनियमितताओं और वोट चोरी पर रोक लगाई जा सके। जिला अध्यक्ष प्रफुल पाटील ने कहा कि जिस प्रकार कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तथ्य और सबूतों के साथ इस मुद्दे को सामने रखा है, उससे यह स्पष्ट होता है कि चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने और हर नागरिक के मताधिकार की रक्षा के लिए ठोस कदम

उठाना जरूरी है। राहुल गांधी ने वीडियो में यह भी कहा कि ₹एक व्यक्ति एक वोटर₹ लोकतंत्र का मूल सिद्धांत है और इसे हर हाल में सुरक्षित रखना होगा। इस अवसर पर पालघर जिला कांग्रेस कमेटी ने संकल्प लिया कि वे मतदाता सूची के सत्यापन और लोगों को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया जायेगा। इस दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी सुरेंद्र शेट्टी, रामप्रकाश निराला, एड.मनोज दांडेकर, बच्चा ठाकुर, रोशन पाटील, अशद चुनावला, सलीम शेख सहित बड़ी संख्या में जिला, तहसील तथा शहर पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पालघर जिले में स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों को अर्पित की गई श्रद्धांजलि

पालघर(उत्तरशक्ति)। ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ 1942 में चले भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेकर मातृभूमि के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले पालघर तहसील के पांच अमर शहीदों को गुरुवार 14 अगस्त 2025 को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर पालघर के शहीद स्तंभ पर पुष्पचक्र अर्पित कर सभी मान्यवरों व नागरिकों ने शहीदों को नमन किया। ज्ञात हो कि 14 अगस्त के दिन ही 1942 में स्वतंत्रता संग्राम के दौरान काशिनाथ हरी पागधरे (सातपाटी), गोविंद गणेश ठाकुर (नांदगांव), रामप्रसाद भीमाशंकर तिवारी (पालघर), सकूर गोविंद मोरे (सालवड), और रामचंद्र महादेव चूरी (मुरबे) ने वीरगति प्राप्त की थी। इनकी स्मृति में गुरुवार 14 अगस्त को पालघर के शहीद चौक पर भव्य श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दिन को सम्मान देने के लिए पालघर शहर की समस्त बाजारें बंद रखी गई।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में सांसद हेमंत सवरा, विधायक राजेंद्र गावित, विधायक विलास तरे, पूर्व विधायक श्रीनिवास वनगा, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख, अपर जिलाधिकारी भाऊसाहेब फटांगरे, तहसीलदार रमेश शेंडगे समेत प्रशासनिक अधिकारी, शहीदों के परिजन, नागरिक एवं स्कूली विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के माध्यम से पालघर ने एक बार फिर अपने शहीदों के बलिदान को याद करते हुए उन्हें कृतज्ञता पूर्वक नमन किया।

दृष्टिबाधितों के सम्मान में 3 किमी मैराथन, श्रवण चव्हाण व रोहित यादव विजेता

मुंबई। नेत्रहीनों को समाज में समान दर्जा और सम्मान दिलाने के उद्देश्य से अनिर्वेध चैरिटेबल ट्रस्ट, मुंबई व फ्रेंड्स ऑफ आरे ने संयुक्त रूप से गोरेगांव (पूर्व) स्थित आरे कॉलोनी में 3 किमी दृष्टिबाधित मैराथन प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में 100 नेत्रहीन प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

इस प्रतियोगिता में श्रवण चव्हाण ने प्रथम और रोहित यादव ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। दोनों विजेताओं को नकद धनराशि, सम्मान चिह्न और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं, रमेश तांबे, सलोनी राहुल और सुमित केंद्रे को सांत्वना पुरस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

अनिर्वेध चैरिटेबल ट्रस्ट की ट्रस्टी अंजली सरकाले ने बताया कि यह दृष्टिबाधित लोगों की पहली प्रतियोगिता थी,जिसमें उनके मान-सम्मान को ध्यान में रखकर आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में डीपी अग्रवाल, एजी प्रसाद, सचिन सरकाले, किरण शाह, अश्विनी बोरगांवकर, कृतिका पवार, संतोष रहाटे, दीपक पुरी, अशोक चौधरी,ह्रिषीकेश और स्वेता ने सराहनीय योगदान दिया। मैराथन को देखने के लिए बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे और प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया।

वसई में बिजली आपूर्ति को मजबूतीः स्नेहा ताई दुबे पंडित ने किया नए 22 केवी भूमिगत चैनल का उद्घाटन

वसई। वसई विधानसभा की विधायक और संघर्षकन्या श्रीमती स्नेहा ताई दुबे पंडित ने आज वसई तालुका के पोमन स्विचिंग स्टेशन, रॉयल हब इंडस्ट्रीज परिसर में 220/22 केवी नालासोपारा सब-स्टेशन से 22 केवी पोमन स्विचिंग स्टेशन (इनकमर-2) तक नए भूमिगत 22 केवी विद्युत चैनल का उद्घाटन किया। इस नई विद्युत सुविधा से वसई-विरार क्षेत्र में बिजली आपूर्ति अधिक कुशल, स्थिर एवं निर्बाध बनेगी, जिससे स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ औद्योगिक क्षेत्रों को भी बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। यह कदम क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।इस शुभ अवसर पर महावितरण कल्याण परिषद के मुख्य अभियंता चंद्रमणि मिश्रा, वसई मंडल के अधीक्षण अभियंता संजय सु. खंडारे, कार्यकारी अभियंता प्रवीण सुते, अतिरिक्त कार्यपालन अभियंता मुकुंद देशमुख, कनिष्ठ अभियंता इरफान शेख, पोमन ग्राम पंचायत सरपंच आत्माराम ठाकरे, भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजू म्हात्रे, वसई पूर्व दक्षिण मंडल अध्यक्ष उदय शेट्टी, वसई पूर्व वालीव मंडल अध्यक्ष सूर्यकांत वाघमारे, संदीप पाटिल, शिवसेना के शशि म्हात्रे, मयंक सेठ, मुकुंद मुले, मयूर नाइक, प्रवेश दुबे, प्रकाश देवलेकर, सुनील मिश्रा, जीत सिंह, तथा श्रमजीवी संगठन के हेमन्त बत्रा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।यह परियोजना क्षेत्र की बिजली जरूरतों को सुरक्षित और दीर्घकालिक रूप से पूरा करने के उद्देश्य से एक रणनीतिक प्रयास है।

नवाब मलिक के नेतृत्व में मुंबई मनपा का चुनाव लड़ा जाएगा

मुंबई। मुंबई में मनपा चुनाव की सरगर्मी तेज हो गई है। सभी राजनीतिक दलों की ओर से मनपा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी गई है। इसी परिप्रेक्ष्य में चुनावों की तैयारी में अजित पवार की पार्टी एनसीपी लग गई है। चुनाव की जिम्मेदारी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक को दी गई है। बुधवार को उपमुख्यमंत्री अजित पवार और प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने मलिक को मुंबई चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी।

नवाब मलिक की अध्यक्षता में मुंबई चुनाव प्रबंधन समिति में शिवाजीराव नलावडे कार्यकारी अध्यक्ष, मुंबई कार्यकारी अध्यक्ष सिद्धार्थ कांबले, विधायक सना मलिक, पूर्व विधायक जीशान सिद्दीकी, प्रदेश महासचिव संतोष धुवाली, प्रदेश उपाध्यक्ष भास्कर विचारे, प्रदेश प्रवक्ता

संजय तटकरे और राजू घुगे शामिल हैं। निमंत्रित सदस्यों में दक्षिण जिलाध्यक्ष महेंद्र पानसरे, उत्तर-पश्चिम मुंबई जिलाध्यक्ष अजय विचारे, उत्तर-मध्य मुंबई जिला अध्यक्ष अरशद अमीर, उत्तर मुंबई जिलाध्यक्ष इंद्रपाल सिंह और ईशान्य मुंबई जिलाध्यक्ष सुरेश भालेराव को शामिल किया गया है। बता दें कि पिछले 10 महीने से मुंबई एनसीपी अध्यक्ष का पद खाली था।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

मुस्लिम लावारिस लाश इंतजामिया कमेटी (रजि.)

आप सभी देशवासियों को

स्वतंत्रता दिवस

की हार्दिक बधाई...

वरिष्ठ पत्रकार

रियाजुल हक खान

ब्यूरो चीफ उत्तर्शक्ति हिन्दी दैनिक जौनपुर (उ0प्र0)
अध्यक्ष- मुस्लिम लावारिश लाश इंतजामिया कमेटी, जौनपुर

9335001460

सह- संपादक

डॉ. इम्तियाज अहमद सिद्दीकी
(उर्फ़ बाबू भाई)

उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक, जौनपुर-लखनऊ (उत्तर प्रदेश)
वरिष्ठ उपाध्यक्ष- मुस्लिम लावारिश लाश इंतजामिया कमेटी, जौनपुर

9695970605, 9044729299

वरिष्ठ उपाध्यक्ष
मास्टर मेराज

वरिष्ठ उपाध्यक्ष
डा. आबिद खान

महासचिव
अकरम मंसूरी

सदस्य
दीपक चिटकारिया

सदस्य
नितिन सिंह 'गोलू'

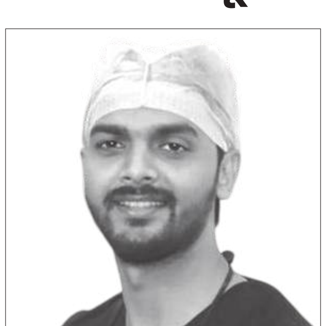

सदस्य
डॉ. मोइनुद्दीन डेन्टिस्ट

DONATE-

आपका सहयोग...
हम सब की उम्मीद...

Life Clinic
Life Medical & General Store
Dr. Sarfaraz Ahmad Siddiqui
आप सभी देशवासियों को
79वाँ स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई
Opp.IIBS International Institute Muthugadahalli Post, Doddajala, Bengaluru- 562157 M : 9795218637/9740937394

जीवन रक्षा हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर
आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई...!
डा० नवीन कुमार सिंह
M.B.B.S., M.S. (Ortho)
डा० शिल्पी सिंह
M.B.B.S., M.S. (Obs & Gyn)
आयुष्मान कार्ड द्वारा 5 लाख का निःशुल्क इलाज
नया पता- पुलिस चौकी के सामने, सिपाह, आजमगढ़ रोड, जौनपुर

त्रिभुवन सिंह मेमोरियल हॉस्पिटल
आप सभी देशवासियों को
79वाँ स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई...!
डा० जयेश सिंह
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (पीडियाट्रिक्स)
डी.एम. (नियोनेटोलॉजी)
डा० स्पृहा सिंह
M.B.B.S., MD (Pt. JNM Raipur)
CCEBDM (Diabetes)
हृदय रोग एवं डायबिटीज रोग विशेषज्ञ
पूर्वाचल के प्रथम व एकमात्र सुपर स्पेशलिस्ट नवजात शिशु व बाल रोग विशेषज्ञ
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
05452-356274/ 7992031213, 9026551423
पता- दिवानी कचहरी, अम्बेडकर तिराहा, जौनपुर

लखनऊ दिल्ली मुम्बई महानगरों जैसी सुविधाओं से युक्त पूर्वांचल का प्रथम डायग्नोस्टिक सेन्टर अब आपके शहर जौनपुर में पहली बार
तेज डायग्नोस्टिक सेन्टर
सभी प्रकार की अत्याधुनिक खून जाँच की सुविधा
आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई...!
जानीमानी गोल्ड मेडलिस्ट
डॉ. सुष्मिता सिंह
MBBS (GSVM),DNB
(Radiodiagnosis) Gold Medalist
रेडियोलॉजिस्ट
असि. प्रोफेसर, रेडियोलॉजी विभाग उमानाथ सिंह राजकीय मेडिकल कालेज, जौनपुर
मैनेजिंग डायरेक्टर
बृजेश कुमार सिंह (एडवोकेट)
7388463806 9453367628
पता- नईगंज तिराहा, कुमार पेट्रोल पम्प के सामने, जौनपुर

अरुणोदय सर्जिकल एंड ट्रामा सेन्टर
बिमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
24/7 Emergency Services
आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई...!
डा. अरुण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
रजि.नं.-82945(यू.पी.एम.सी.)
पता- कलीचाबाद, जौनपुर 8090966086,8090015086

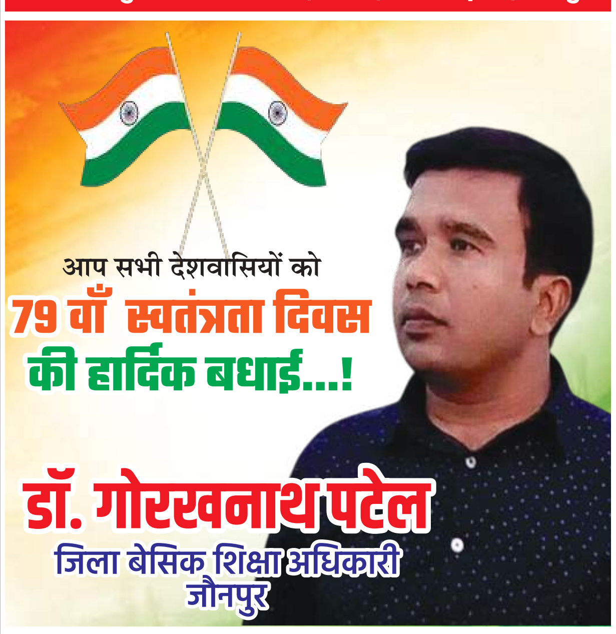
आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई...!
डॉ. गोरखनाथ पटेल
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
जौनपुर

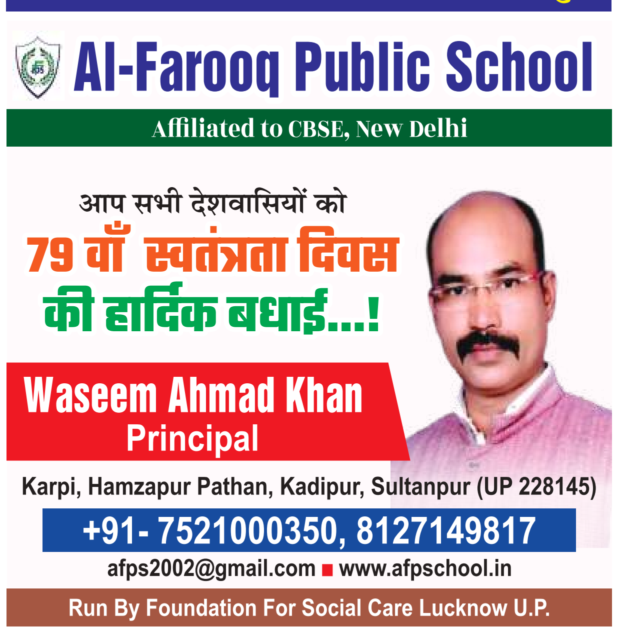
Al-Farooq Public School
Affiliated to CBSE, New Delhi
आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई...!
Waseem Ahmad Khan
Principal
Karpi, Hamzapur Pathan, Kadipur, Sultanpur (UP 228145)
+91- 7521000350, 8127149817
afps2002@gmail.com ● www.afpschool.in
Run By Foundation For Social Care Lucknow U.P.

गुप्ता शू सेन्टर
आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई...!
अभिताश गुप्ता
उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक
(नगर संवाददाता) जौनपुर
Mob.: 95656 50528, 7007256194
निकट-हरलालका रोड, कोतवाली, जनपद- जौनपुर

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई...!
मुनीम जी वस्त्रालय
प्रो.राम चन्दर
(शिवम्, सोनू)
निकट- मंत्री जी कटरा, मानी कलां, जौनपुर

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई...!
जाने आलम
(प्रधान पति)
फ़ैज़ आलम
ग्राम- मानी खुर्द पोस्ट- मानी कलां
विकास खण्ड- सोंधी शाहगंज, जनपद-जौनपुर

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई...!
डॉ. गयासुद्दीन
प्रदेश सचिव अल्पसंख्यक सभा समाजवादी पार्टी
ग्राम-बरंगी, पोस्ट-मानी कलां, जौनपुर (उ0 प्र0)

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई...!
रामयश यादव
प्रधान
ग्राम- लखमापुर
पोस्ट- मानी कलां
विकास खण्ड- सोंधी शाहगंज, जनपद-जौनपुर

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई...!
नीरा यादव
(प्रधान)
ग्राम-मवई पोस्ट-सोंगर
करम देई
(पूर्व प्रधान)
विकास खण्ड- सोंधी शाहगंज, जनपद-जौनपुर

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई...!
अजय सिंह
प्रतिनिधि
राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार
(युवा एवं खेल) उत्तर प्रदेश सरकार
(पूर्व प्रधान)
सरायख्वाजा जनपद जौनपुर (उत्तर प्रदेश)

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई...!
कमालुद्दीन
जिला पंचायत सदस्य वार्ड नं- 10
ग्राम व पोस्ट- मानीकलां, जौनपुर

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई...!
हाजी इश्तियाक अहमद
(ग्राम प्रधान)
ग्राम व पोस्ट- सोंगर
विकास खण्ड- सोंधी शाहगंज, जनपद-जौनपुर

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई...!
बाबर सिद्दीकी
ग्राम- चौकियाँ पोस्ट- गुरैनी
(प्रधान पति)
विकास खण्ड- सोंधी शाहगंज, जनपद-जौनपुर

जीवनदान क्लीनिक
एण्ड ईशा नेत्रालय
79वां स्वतंत्रता
दिवस
की हार्दिक बधाई
डॉ.जे.पी.यादव
जरनल फ़िजिशियन
निकट-राम जानकी मन्दिर के सामने वाली गली में पश्चिम तरफ़ मानी कलां, जौनपुर

आप सभी देशवासियों को
79वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई
Affiliation No.: 2131820
School Code : 70642
DALIMSS
Sunbeam
ENGLISH MEDIUM CO-EDUCATIONAL
SENIOR SECONDARY SCHOOL
HAMAM DARWAZA, JAUNPUR
ADMISSIONS OPEN- SESSION 2025- 26
FROM CLASS PLAY GROUP TO CLASS IX & XI
(science & commerce) 878 722 7589

आप सभी देशवासियों को
79वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई
शुभम डेन्टल क्लीनिक
डा0 एस0 आर0 प्रजापति
(डेन्टल) M.: 7275446004
डा0 पी0के0 प्रजापति
B.Sc., B.D.S. (Consultant)
जूनियर डा0 दीपक प्रजापति
Mob.: 9198808275
पुराने यूनियन बैंक के सामने, मानी कलां, जौनपुर (उ.प्र.)

आप सभी देशवासियों को
79 वाँ स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई...!
खान मोबाईल
मो0 तारिक खान
निकट- नसीराबाद चौक, ग्राम व पोस्ट- मानी कलां, जौनपुर